

## UGC NET PAPER 2 NOVEMBER 20, 2021 - SHIFT 1 KONKANI QUESTION PAPER

Topic:- 85Konkani\_A

1) दूरचित्रवाणी सारकेल्या प्रसार माध्यमांत वार्ता (बातम्यो) सादर करता आसतना चडावत प्रमाणांत कसल्या बंधनाची शिटुकसाण दवरपाची निखालस गरज उ प्राप्तता?

- (1) प्रक्षोभक भाशेची रचना टाळपाची आनी संयमशील म्हायती दिवपाची
- (2) संबंदीत घडणुके संबंदान यथार्थ आशय दिवपाची
- (3) दृश्यां दाखयतना तातूंत सुसंगतपणा दवरपाची
- (4) निवेदकाच्या आरोह-अवरोह स्वरां वरवीं प्रेक्षकांच्या हृदया स्पर्श करपाची

[Question ID = 1704][Question Description = Q01\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6813]
2. 2 [Option ID = 6814]
3. 3 [Option ID = 6815]
4. 4 [Option ID = 6816]

2) राज्याच्या नगरनियोजन मंत्र्याक पत्र बरोवपाचें आसत जाल्यार ताचो आदर्श मायनो कसो आसूंक जाय?

- (1) माननीय नगरनियोजन मंत्री, गोंय राज्य, सप्रेम नमस्कार, विनंती विशेष, विशय....., मान्यवर.....
- (2) राजमान्य राज्यश्री नगरनियोजन मंत्री, आदर पुराय नमस्कार, विनंती विशेष, विशय....., मान्यवर...
- (3) आदरणीय नगर नियोजन मंत्री साहेब, गोंय राज्य, साष्टांग नमस्कार, विनंती विशेष, विशय...., मान्यवर...
- (4) कृपाळू नगरनियोजन मंत्री, गोंय राज्य, सप्रेम नमस्कार, विनंती विशेष, विशय....., मान्यवर.....

[Question ID = 1705][Question Description = Q02\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6817]
2. 2 [Option ID = 6818]
3. 3 [Option ID = 6819]
4. 4 [Option ID = 6820]

3) दूरचित्रवाणी सारकेल्या इलेक्ट्रॉनिक प्रसार माध्यमाच्या संपादकाचेर चडावत स्वरूपाचें कसलें दायित्व (जापसालदारकी) आसता?

- (1) दूरचित्रवाणी मोलांक (टी.आर.पी.) वाडोवपाची
- (2) प्रेक्षकांक उत्तमांतली उत्तम वार्ता (बातम्यो) दिवपाची
- (3) प्रेक्षकांक आवडटा तसल्योच वार्ता दिवपाची
- (4) वार्ता कसलीय आसूं, नैतिक बंधना पाळूनच ती प्रेक्षकांक दाखोवपाची

[Question ID = 1706][Question Description = Q03\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6821]
2. 2 [Option ID = 6822]
3. 3 [Option ID = 6823]
4. 4 [Option ID = 6824]

4) “दोन वा अदीक अवयवांचे उतर ‘इ’ कारान सोंपल्यार ताका स्वरान आरंभ करपी प्रत्यय लायल्यार ‘इ’ काराचे परिवर्तन ‘य’ कारांत जाता” – हो नेम सिद्ध करपी देख खंयची?

- (1) काणी + ऐ, बडी + ओ, बोकडी + ए
- (2) बोकडी + ओ, काणी + ओ, सत्री + ए
- (3) काणी + ओ, बडी + ओ, बोकडी + ओ
- (4) सत्री + ए, बोकडी + ओ, काणी + ओ

[Question ID = 1707][Question Description = Q04\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6825]
2. 2 [Option ID = 6826]
3. 3 [Option ID = 6827]
4. 4 [Option ID = 6828]

5) 'उमज' आनी 'घोले घोले' हे कविता संग्रह गोंयचे खंयचे बोलयेंत बरयल्यात ?

- |                       |                         |
|-----------------------|-------------------------|
| (1) बादेंस आनी सत्तरी | (2) सास्टी आनी अंत्रुजी |
| (3) पेडणे आनी सत्तरी  | (4) सत्तरी आनी काणकोणी  |

[Question ID = 1708][Question Description = Q05\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6829]
2. 2 [Option ID = 6830]
3. 3 [Option ID = 6831]
4. 4 [Option ID = 6832]

6) गोंय विद्यापीठा भायर कोंकणी पदव्युत्तर शिक्षणाची सोय हेर खंयच्या विद्यापीठांत उपलब्ध आसा

- |                      |                       |
|----------------------|-----------------------|
| (1) मुंबय विद्यापीठ  | (2) पुणें विद्यापीठ   |
| (3) मंगळूर विद्यापीठ | (4) कर्नाटक विद्यापीठ |

[Question ID = 1709][Question Description = Q06\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6833]
2. 2 [Option ID = 6834]
3. 3 [Option ID = 6835]
4. 4 [Option ID = 6836]

7) एन. शिवदास ह्या लेखका संदर्भांतले खंयचें विधान चूक आसा तें सांगात

- (1) 'महारूख' ह्या तांच्या कथा संग्रहाक साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त जाला
- (2) 'आलतडचो बापूय पलतडची धूव' ही कथा तांच्या 'भांगरसाळ' ह्या संग्रहांत आस्पावल्या
- (3) 'भगदाड' ह्या नांवाची कादंबरी तांणी मराठी भाशेंत बरयल्या
- (4) 'गळसरी' हो तांचो पयलो कथा संग्रह आसा

[Question ID = 1710][Question Description = Q07\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6837]
2. 2 [Option ID = 6838]
3. 3 [Option ID = 6839]
4. 4 [Option ID = 6840]

8) अणकार विद्या दीसपट्टे गिन्यान, भाशेच्या थळाव्या पर्यावरणाची जाणविकाय, थळावो शब्दसंग्रह आनी अर्विल्लें तंत्रगिन्यान चडावतपणान उपकाराक पडपा पासत मुखावयल्या खंयच्या अभ्यास विशयाकडेन लागसार दवरता ?

- (1) वेव्हारिक भाशाविज्ञान, गणित आनी संगणक, संपर्क सादनां, अर्थविज्ञान
- (2) वेव्हारिक भाशाविज्ञान, गणित आनी संगणक, मनोभास विज्ञान, अर्थविज्ञान
- (3) वेव्हारिक भाशाविज्ञान, गणित आनी संगणक, मनोभास विज्ञान, बोलीविज्ञान
- (4) संपर्क सादनां, अर्थविज्ञान, वेव्हारिक भाशाविज्ञान, गणित आनी संगणक

[Question ID = 1711][Question Description = Q08\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6841]
2. 2 [Option ID = 6842]
3. 3 [Option ID = 6843]
4. 4 [Option ID = 6844]

9) "एक्का रणांतु झाय तीं जाण मृगं आसिल्लीं. तडगेलो सगटालोयि रायु जावनु एकु सिम्हु आसिल्लो. दिसदीस सिम्हु वच्चुनु खंश्रेयि मृगांक धोर्नु हडटालो आनीक ताज्जे मांस सगटायि खट्टानि. जाल्यारि तंतुलो व्होळ्ळो एकु वांटो राय्याक वाट्टालो". ही कोंकणी भाशेची थळावी मोड खंयच्या प्रदेशांतली ?



- (1) केरळ, कर्नाटक, गोंय (2) मंगळूरु, काणकोण, कोच्ची  
(3) मालवणी, कोच्ची, मंगळूरु (4) मंगळूरु, पेडणी, कोच्ची

[Question ID = 1712][Question Description = Q09\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6845]  
2. 2 [Option ID = 6846]  
3. 3 [Option ID = 6847]  
4. 4 [Option ID = 6848]

10) 'तांबडी माती', 'रक्तचन्दन', 'महाराज', 'श्यामसुन्दर' हयो देखी खंयच्या समासाच्यो ?

- (1) द्विगु समास (2) कर्मधारय समास  
(3) मध्यमपदलोपी समास (4) अव्ययीभाव समास

[Question ID = 1713][Question Description = Q10\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6849]  
2. 2 [Option ID = 6850]  
3. 3 [Option ID = 6851]  
4. 4 [Option ID = 6852]

11) शुद्धलेखनाच्या नेमाक पाळो दिवन मुखार दिल्ल्या पर्यायांतलें समर्पक उत्तर खंयचें तें सांगात

- (1) बह्विहि (2) बहुव्रीही  
(3) बहुविहि (4) बहुविही

[Question ID = 1714][Question Description = Q11\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6853]  
2. 2 [Option ID = 6854]  
3. 3 [Option ID = 6855]  
4. 4 [Option ID = 6856]

12) 'पान म्हाजें, पोफळ तुजें चुनो कोणा लागीं आसा गे'. हया लोकगिताचो आसपाव खंयच्या प्रकारांत जाता ?

- (1) फुगडी (2) धालो  
(3) आल्लय (4) शिगमो

[Question ID = 1715][Question Description = Q12\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6857]  
2. 2 [Option ID = 6858]  
3. 3 [Option ID = 6859]  
4. 4 [Option ID = 6860]

13) 'स्वामी जेजू क्रिस्तान सांव पेद्रू अपोस्तालाच्या मस्तकीं करंड (मुकूट) दवरला'. हया वाक्यांत तृतीयेचो विभक्ती प्रत्यय खंयचो ?

- (1) क्रिस्तान (2) करंड (मुकूट)  
(3) अपोस्तालाच्या (4) वयर दिल्लो एकूय पर्याय ना

[Question ID = 1716][Question Description = Q13\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6861]  
2. 2 [Option ID = 6862]  
3. 3 [Option ID = 6863]  
4. 4 [Option ID = 6864]

14) कोंकणी भाशेचे बादांवळींत मुखेलपणान तीन स्तर पळोवंक मेळटात :

- (1) नादांचो, उतरांचो, वाक्यांचो (2) नादांचो, इतिहासाचो, वाक्यांचो  
(3) इतिहासाचो, वाक्यांचो, प्रदेशाचो (4) वाक्यांचो, प्रदेशांचो, उतरांचो

[Question ID = 1717][Question Description = Q14\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6865]  
2. 2 [Option ID = 6866]  
3. 3 [Option ID = 6867]  
4. 4 [Option ID = 6868]

15) कोंकणी व्याकरणाच्या नव्या पर्वाची बुनयाद कोणे मारली?

- |                           |                                  |
|---------------------------|----------------------------------|
| (1) पाद्री तोमास इशतेव्हं | (2) पाद्री दियोगु रिबैरु         |
| (3) सुमित्र मंगेश कत्रे   | (4) वामन रघुनाथ वर्दे वालावलिकार |

[Question ID = 1718][Question Description = Q15\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6869]
2. 2 [Option ID = 6870]
3. 3 [Option ID = 6871]
4. 4 [Option ID = 6872]

16) मडवळ, उंबळी, होंडो, वगरितां, बळळीक हीं कोंकणींतली उतरां खंयचे भाशेकडेन लागसार दाखयतात?

- |             |             |
|-------------|-------------|
| (1) मुंडारी | (2) कन्नड   |
| (3) तेलगु   | (4) मल्याळम |

[Question ID = 1719][Question Description = Q16\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6873]
2. 2 [Option ID = 6874]
3. 3 [Option ID = 6875]
4. 4 [Option ID = 6876]

17) 'सिला मिनेज' हया नांवान हांतल्या खंयच्या कवीक पाचारतात?

- |                                   |                        |
|-----------------------------------|------------------------|
| (1) सिल्वेस्टर एफ. मिनेझिस        | (2) चा. फ्रा. द कोस्ता |
| (3) बेर्नार्दिनो एवारिस्तो मेंडीस | (4) जे.बी. मोरायस      |

[Question ID = 1720][Question Description = Q17\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6877]
2. 2 [Option ID = 6878]
3. 3 [Option ID = 6879]
4. 4 [Option ID = 6880]

18) "कतों आशिर्लीं दोनूय नामां एकाच लिंगाची आसत जाल्यार क्रियापदाचें रूप भोववचनी जाता". हो नेम मुखार दिल्ल्या खंयचे देखीक लागसार दवरता?

- |  |
|--|
| (1) वेणिमाधव आनी पुंडलीक दोगूय कला अकादमींत गेले                               |
| (2) थंयसर कांसव आनी जळवो हुळहुळटाल्यो  |
| (3) गाय आनी पाडूक तण खातालीं   |
| (4) ऋषी वसिष्ठ आनी तांची घरकान्न अरुंधती कोजागिरीच्या चान्न्यांत गजाली करतालीं |

[Question ID = 1721][Question Description = Q18\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6881]
2. 2 [Option ID = 6882]
3. 3 [Option ID = 6883]
4. 4 [Option ID = 6884]

19) मुखार दिल्ल्यो देखी वाचात आनी तातूंतल्यो निखटयो स्वर संधी खंयच्यो ते विशयीं सांगात :

- |   |   |
|---|---|
| (1) मुळाक्षर, विद्यार्थी, कवीश्वर, ईश्वरेच्छा | (2) दिग्विजय, सच्चिदानन्द, पृथक्करण, अब्ज       |
| (3) दुःशासन, निश्कारण, तिरस्कार, नमस्कार      | (4) मुळाक्षर, सच्चिदानन्द, तिरस्कार, ईश्वरेच्छा |

[Question ID = 1722][Question Description = Q19\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6885]
2. 2 [Option ID = 6886]
3. 3 [Option ID = 6887]
4. 4 [Option ID = 6888]

20) "गुण हे खरेपणी रसाचे चित्तधर्म जावन आसात. 'माधुर्य' हो शिरंगाराचो चित्तधर्म जावन आसा. 'वियोग', 'विरह' ('विप्रलंभ'), 'करुण' आनी 'शान्त' ह्या भावनांत ही वस्तुस्थिती चडावतपणान प्रत्ययाक येता. 'कान्ती', 'ओजसपण' ('ओजस') हीं खरेपणीं 'रौद्र' ('हास्य', 'वीर', 'बीभत्स') आदी भावनांचो स्वभाव धर्म जावन आसा". - हया परिच्छेदाच्या आदारान मुखार दिल्ल्या पर्यायांतलो समचित पर्याय सांगत :



- (1) हें मत्त आनन्दवर्धनाचें आसून तो काव्यगुणांचें स्वरूप स्पश्ट करता
- (2) हें मत्त भामहाचें आसून तो काव्यगुणांचे स्वरूप स्पश्ट करता
- (3) हें मत्त आचार्य भरतमुनीचें आसा, तें काव्यगुणांचें आनी अलंकारांचे स्वरूप स्पश्ट करता
- (4) हें मत्त आनन्द वर्धनाचें आसून तो गुण हे रसधर्म आसात, अशें सांगूक सोदता

[Question ID = 1723][Question Description = Q20\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6889]
2. 2 [Option ID = 6890]
3. 3 [Option ID = 6891]
4. 4 [Option ID = 6892]

21) सकयलें कवितेचें कडवे योग्य तो पर्याय वेंचून पुराय करात.

सिश्टी स्थिती लय कारण तोचि तो गोविंदु  
महिमानुभव अनुभववचो आसा तो आनंदु  
मंगल महिम परिपूर्ण श्री पुरंदर विठलु  
-----

- |  |                                     |
|--|-------------------------------------|
| (1) सतत स्मरण आसूं क्रिपा नित्यई       | (2) सहज-भजनरत आसाचांतु सदा तो आनंदु |
| (3) दुश्ट मर्दन शिश्ट पालन व्रतधारी तो | (4) तुकाची भजता हांवु तुकाची पूजता  |

[Question ID = 1724][Question Description = Q21\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6893]
2. 2 [Option ID = 6894]
3. 3 [Option ID = 6895]
4. 4 [Option ID = 6896]

22) गजानन जोग हांणी हांतलें खंयचें बालसाहित्याचें पुस्तक बरयलां

- |                         |                         |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) चानू मीनूच्यो काणयो | (2) वर्स फुकट वचूंक ना  |
| (3) रान सुंदरी          | (4) इगडी बिगडी तिगडी था |

[Question ID = 1725][Question Description = Q22\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6897]
2. 2 [Option ID = 6898]
3. 3 [Option ID = 6899]
4. 4 [Option ID = 6900]

23) सकयल दिल्ले जोडयेंतली खंयची जोडी सारकी आसा ?

- |                                 |                                   |
|---------------------------------|-----------------------------------|
| (1) एडविन डि सौजा - देवाची खुशी | (2) दत्ता नायक - एक आशिल्लो सोंसो |
| (3) ए.टी. लोबो - जुदासक करोव    | (4) आर. के. प्रकाश - स्वप्न जीवित |

[Question ID = 1726][Question Description = Q23\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6901]
2. 2 [Option ID = 6902]
3. 3 [Option ID = 6903]
4. 4 [Option ID = 6904]

24) पर्यावरणीय साहित्याच्या निर्मणेचो श्री गणेशा हांतुतल्या खंयच्या बरप्याच्या साहित्यांतल्यान घातिल्लो दिसता ?

- |                    |                    |
|--------------------|--------------------|
| (1) शणै गोंयबाब    | (2) पुंडलीक नायक   |
| (3) रमेश वेळुस्कार | (4) अ.ना. म्हांबरो |

[Question ID = 1727][Question Description = Q24\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6905]
2. 2 [Option ID = 6906]
3. 3 [Option ID = 6907]
4. 4 [Option ID = 6908]

25) 'रझावांचे दिवे, हावेसाची सांवळी, दृष्टांताची जोगलां' अशा प्रतिमांचो कोंकणींत पयलेच फावटी वापर खंयचे कवीन केलां ?

- (1) रमश वळुसकार (2) प्रकाश पाडगावकार  
(3) पांडुरंग भांगी (4) प्रकाश पर्येकार

[Question ID = 1728][Question Description = Q25\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6909]  
2. 2 [Option ID = 6910]  
3. 3 [Option ID = 6911]  
4. 4 [Option ID = 6912]

26) गोपीनाथ गांवस हांणी बरयिल्ल्या कविता झेल्याचें नांव हांतलें खंयचें?

- (1) 'आमचे आमी' (2) 'हय सायबा'  
(3) 'घोले घोले' (4) 'गारणें'

[Question ID = 1729][Question Description = Q26\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6913]  
2. 2 [Option ID = 6914]  
3. 3 [Option ID = 6915]  
4. 4 [Option ID = 6916]

27) 'पुरोचनु' येऊन धर्मरायाची शेवा करिता, हाचो आमकां विश्वासु नां. हो आमचो घातु करित म्होणु (भीमु) आसतो रात्रीचो राखूं बइसलो. ते चोउगाइं भाव, धर्म, अर्जुन, नकुलु, साइदेउ (सहदेवु) आणी तांची माए कौती (कुंती) पलंगावरि निदेलीं आसता पुरोचनु ब्राह्मण भाइर वचुन उजो घेऊन आइलो. ताका भिमशेनान देखिलो'. हो उतारो ब्रागांत आशिल्या खंयचे कोदेक्सांत मेळटा?

- (1) पान 194 कोदेक्स 771 (2) पान 371 कोदेक्स 776  
(3) पान 190 कोदेक्स 778 (4) पान 195 कोदेक्स 773

[Question ID = 1730][Question Description = Q27\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6917]  
2. 2 [Option ID = 6918]  
3. 3 [Option ID = 6919]  
4. 4 [Option ID = 6920]

28) फेलिक्स पॉल नोरोन्हा हांणी रचलेलो 'काव्यां झेलो' खंयच्या वर्सा उजवाडून आयलो?

- (1) 1960 (2) 1975  
(3) 1953 (4) 1995

[Question ID = 1731][Question Description = Q28\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6921]  
2. 2 [Option ID = 6922]  
3. 3 [Option ID = 6923]  
4. 4 [Option ID = 6924]

29) 'नक्श-ए-नवायत' हया पर्सो-अरेबिक कोंकणी लिपयेच्या नेमाळ्याचो पयलो संपादपी हांतलो कोण?

- (1) मौलवी अलीम कास्मी (2) सय्यद अब्दूल रहीम इर्शाद  
(3) आफताब हुसेन कोला (4) मौलाना ख्वाजा बहाउद्दीन

[Question ID = 1732][Question Description = Q29\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6925]  
2. 2 [Option ID = 6926]  
3. 3 [Option ID = 6927]  
4. 4 [Option ID = 6928]

30) 1998 च्या वर्सुकी 'कोंकणी' अंकात 'गुणाजी' ही कृती दीर्घकथा म्हूण उजवाडा आयली. मुखार ही नवलीका म्हूण खंयचे प्रकाशन संस्थेन पुस्तक रूपांत उजवाडायली.

- (1) अपुरबाय प्रकाशन (2) जाग प्रकाशन  
(3) बिम्ब प्रकाशन (4) जैत प्रकाशन

[Question ID = 1733][Question Description = Q30\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6929]



2. 2 [Option ID = 6930]
3. 3 [Option ID = 6931]
4. 4 [Option ID = 6932]

31) ‘वोवळां (1935) चे आदींच थोडी-भोव कोंकणी कथा मेळता. पूण तिका संग्रह रूपान संकलीन जावपाचें भाग्य मेळूंक नाशिल्ल्यान ती नेमाळ्यांच्या पानांनी वा हात बरपांनी धुल्ल खायत उरली’. हें विधान करपी समीक्षा लेखक कोण ?

- |                       |                           |
|-----------------------|---------------------------|
| (1) एस. डी. तेंडुलकार | (2) प्रकाश वजरीकार        |
| (3) किरण बुडकुले      | (4) प्रियदर्शिनी तडकोडकार |

[Question ID = 1734][Question Description = Q31\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6933]
2. 2 [Option ID = 6934]
3. 3 [Option ID = 6935]
4. 4 [Option ID = 6936]

32) मलयाळम लिपयेंत कोंकणी कादंबरी बरोवपी लेखक कोण ?

- |                    |                 |
|--------------------|-----------------|
| (1) गोकुळदास प्रभु | (2) वसंत मणी    |
| (3) कृष्ण वाद्यार  | (4) आनंदी मुंबय |

[Question ID = 1735][Question Description = Q32\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6937]
2. 2 [Option ID = 6938]
3. 3 [Option ID = 6939]
4. 4 [Option ID = 6940]

33) ‘होमकूड’ पेटोवन त्या उज्यांतल्यान ‘धोंड’ वचपाची जात्रा गोयांतल्या खंयच्या गांवानी जाता ?

- |                             |                           |
|-----------------------------|---------------------------|
| (1) शिरगांव, चोडण, कुडणें   | (2) एकोशी, कुडणें, मयें   |
| (3) फातपें, शिरगांव, हरवळें | (4) नाणूस, शिरगांव, दाभाळ |

[Question ID = 1736][Question Description = Q33\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6941]
2. 2 [Option ID = 6942]
3. 3 [Option ID = 6943]
4. 4 [Option ID = 6944]

34) ‘इतलीशी सुरी मातयेंत पुरी’. हया हुमाण्याची जाप सांगात.

- |                |                   |
|----------------|-------------------|
| (1) हळद        | (2) मुळो          |
| (3) कांटे कणगी | (4) आंब्याची पारी |

[Question ID = 1737][Question Description = Q34\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6945]
2. 2 [Option ID = 6946]
3. 3 [Option ID = 6947]
4. 4 [Option ID = 6948]

35) ‘कुंडे कुस्कूट’ हे काणयेंत कोणाची हुशारकाय दिसता ?

- |                       |                 |
|-----------------------|-----------------|
| (1) गोस्वां राखण्याची | (2) म्हातारेची  |
| (3) चली भुरग्याची     | (4) राजकुंवराची |

[Question ID = 1738][Question Description = Q35\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6949]
2. 2 [Option ID = 6950]
3. 3 [Option ID = 6951]
4. 4 [Option ID = 6952]

36) साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त ललित निबंदाचीं पुस्तकां खंयचीं ?

- |                                 |
|---------------------------------|
| (1) लिखणेचे उत्फर्के, फागूर फूट |
| (2) मेरे वयलो गांवकार, हंसध्वनी |

(3) पावला कणकणीं, दवरणें

(4) मान्नी पुनव, जाय काय जूय

[Question ID = 1739][Question Description = Q36\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6953]
2. 2 [Option ID = 6954]
3. 3 [Option ID = 6955]
4. 4 [Option ID = 6956]

37) 'म्हाजे घोटयेंत बेडोऽऽ बेडोऽऽ

सुमनाचो घोव बाये रेडोऽऽ रेडोऽऽ'

हें गीत गायत सादर जावपी फुगडेचो प्रकार कितें.

(1) उबी फुगडी

(2) निसर फुगडी

(3) झेमाडो

(4) आडवी फुगडी

[Question ID = 1740][Question Description = Q37\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6957]
2. 2 [Option ID = 6958]
3. 3 [Option ID = 6959]
4. 4 [Option ID = 6960]

38) गोंयच्या खंयच्या गांवानी गडयांचो उत्सव जाता ?

(1) साळ, कुडणें आनी पिळगांव

(2) पिळगांव, पैंगीण आनी पर्ये

(3) साळ, सुर्ल आनी धावशिरें

(4) गांवडोंगरी, कुडणें आनी साळ

[Question ID = 1741][Question Description = Q38\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6961]
2. 2 [Option ID = 6962]
3. 3 [Option ID = 6963]
4. 4 [Option ID = 6964]

39) शिगम्याचो एक भाग म्हूण आंकवार चले भुरग्यांक करवली न्हेसयतात. करवल्यांचें रोमट घरा घरांनी वयता आना तांचें पुजन जाता. हे वेळार लोकगीत प्रकार सादर जाता तो खंयचो ?

(1) जत

(2) सोकारत

(3) माळगान

(4) होवयो

[Question ID = 1742][Question Description = Q39\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6965]
2. 2 [Option ID = 6966]
3. 3 [Option ID = 6967]
4. 4 [Option ID = 6968]

40) 'दुस्कीर' ह्या शब्दाचो अर्थ कितें ?

(1) दोन दोंगरा मदली सुवात

(2) दोन शेतां मदली उक्ती सुवात

(3) दोन न्हंयो एकिकडेन मेळतात तो जागो

(4) दुदा पासून तयार केल्लो एक प्रकार

[Question ID = 1743][Question Description = Q40\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6969]
2. 2 [Option ID = 6970]
3. 3 [Option ID = 6971]
4. 4 [Option ID = 6972]

41) गोंयचें रत्न मानल्ले जायते गोंयचे गंगेचे



तुळात्मक साहित्य म्हळ्यार ————— चो अभ्यास अशें समीकरण फ्रेंच संप्रदायांन केल्लें.

- (A) दोन भासांचो (B) विंगड भासांचो  
(C) 'प्रभावा' चो (D) 'प्रभवा' चो

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) (2) (B)  
(3) (C) (4) (D)

[Question ID = 1744][Question Description = Q41\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6973]  
2. 2 [Option ID = 6974]  
3. 3 [Option ID = 6975]  
4. 4 [Option ID = 6976]

42) सकयलें खंयचें विधान बरोबर आसा तें सांगात.

- (A) तिसरो गोवा युवा महोत्सव नागेशी बांदोडा हांगां जाल्लो  
(B) पयलें विश्व कोंकणी संमेलन मुंबय हांगां जाल्लें  
(C) दुसरें युवा कोंकणी साहित्य संमेलन पी. ई. एस महाविद्यालय, फर्मागुडी हांगां जाल्लें  
(D) पयली अखिल भारतीय परिशद मंगळूर हांगां जाल्ली

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान बरोबर पर्याय खंयचो.

- (1) (C) (2) (B)  
(3) (D) (4) (A)

[Question ID = 1745][Question Description = Q42\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6977]  
2. 2 [Option ID = 6978]  
3. 3 [Option ID = 6979]  
4. 4 [Option ID = 6980]

43) सकयल दिल्ल्या विधानांपैकी बरोबर विधानां खंयची?

- (A) इंग्लीश भाशेंतलें काव्य आनी नाटक हांका जी समृद्धी लाबली, ताचें, मुखेल कारण अभिजात ग्रीक आनी रोमन साहित्य कृतींचें अणकार इंग्लीशींत जाल्लें  
(B) कोंकणींत जायत्या अस्तंती साहित्यकृतीचे अणकार आनी रूपकार जाल्यान तिका सुर्वेच्या काळांत तांचो खूप आदार जालो  
(C) अणकारित इंग्लीश साहित्यांतल्यान भाशेक नवी वाक्यरचना, नवी उतरावळ नवी शैली विकसित जावपाक मजत जावंकच ना  
(D) कोंकणी साहित्याचो पोर्तुगीज साहित्याचेर चडावत प्रमाणांत प्रभाव पडिल्यान पोर्तुगीज साहित्य गिरेस्त जावंक पावलें

सकयल्या पर्यायांतल्यान योग्य तो पर्याय वेंचून काडात.

- (1) (A) बरोबर (B) चूक (2) (B) बरोबर (C) चूक  
(3) (A) चूक (D) बरोबर (4) (A) आनी (B) बरोबर

[Question ID = 1746][Question Description = Q43\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6981]  
2. 2 [Option ID = 6982]  
3. 3 [Option ID = 6983]  
4. 4 [Option ID = 6984]

44) गोवा आकाशवाणीचेर राजाराम राटावळी आनी पाटू पटेकर ह्या नांवानी विनोदी मालिकांचे वितरण कोण करतालो?

- (A) अ.ना. म्हांबरो (B) उदय भेंब्रे

(C) पताराम सुखरावकार

(D) नागरा कर्मण

(E) चंद्रकांत केणी

सकयल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

(1) (A) बरोबर

(2) (B) आनी (C) बरोबर

(3) (D) बरोबर

(4) (E) आनी (B) बरोबर

[Question ID = 1747][Question Description = Q44\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6985]

2. 2 [Option ID = 6986]

3. 3 [Option ID = 6987]

4. 4 [Option ID = 6988]

45) कोंकणी भाशेच्या ठाय आशिल्या आंतरिक बळग्याक लागून -

(A) कोंकणी साहित्यिकांक एकठांय हाडून ताकां सन्मानीत करपाचें काम सुरु जालें

(B) 19 व्या शेंकड्यामेरेन कितलीशींच धार्मिक पदां आनी स्तोत्रां चोरया-लिपयां कोंकणींतल्यान आकाराक येत रावली

(C) कोंकणी मनशांक एकठांय हाडपाखतीर भाशीक चळवळ उदेवाक आयली

(D) गोंयातले समेस्त लोक जायात्या विंगड संस्थानी वांटून गेले

सकयल्या दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

(1) (B)

(2) (A)

(3) (D)

(4) (C)

[Question ID = 1748][Question Description = Q45\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6989]

2. 2 [Option ID = 6990]

3. 3 [Option ID = 6991]

4. 4 [Option ID = 6992]

46) कवयित्री आनी तांच्या कविता संग्रहाची योग्य जोडी लायात.

(A) अन्वेषा सिंगबाळ - परमळ

(B) शांती तेंडुलकार - मोगन्या आटी

(C) मिलन वांयगणकार - कयपंजी

(D) चंद्रिका पाडगांवकर - मनकोगूळ गायता

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

(1) (B) आनी (D)

(2) (B) आनी (C)

(3) (C) आनी (A)

(4) (B) आनी (A)

[Question ID = 1749][Question Description = Q46\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6993]

2. 2 [Option ID = 6994]

3. 3 [Option ID = 6995]

4. 4 [Option ID = 6996]

47) सकयल दिल्या खंयच्या कोंकणी चित्रपटाक 'ऑस्कर' पुरस्कारा खातीर नामांकन फाव जाल्लें?

(A) दिगंत आनी आलिशा

(B) 'काजरो' आनी 'पलतडचो मनीस'

(C) 'मिरांडा हावज' आनी 'अंतर्नाद'

(D) 'देखणी दुराय' आनी 'गुणाजी'

(E) हांतली खंयचेच नात

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.



- (1) (A) (2) (B) आनी (C)  
(3) (E) (4) (D)

[Question ID = 1750][Question Description = Q47\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 6997]
2. 2 [Option ID = 6998]
3. 3 [Option ID = 6999]
4. 4 [Option ID = 7000]

48) 1970 चें दशक कोंकणी साहित्याच्या मळार 'कथेचें दशक' म्हूण मानतात. कारण \_\_\_\_\_.

- (A) हया दशकांत प्रेमकथा मोठे संख्येन बरोवन जाल्यो  
(B) अस्तुरी लेखिका मोठे संख्येन कथा लेखन करपाक लागल्यो  
(C) नवोदित लेखकांनी कथा बरोवपाक सुरवात केली  
(D) हयाच दशकांत खऱ्या अर्थान कोंकणी कथेचो सर्वांगीण विकास जालो

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) (2) (B)  
(3) (C) (4) (D)

[Question ID = 1751][Question Description = Q48\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7001]
2. 2 [Option ID = 7002]
3. 3 [Option ID = 7003]
4. 4 [Option ID = 7004]

49) सकयल दिल्ल्या विधानांपैकी चूक विधान खंयचें.

- (A) कर्नाटकांतल्या उत्तर कन्नड जिल्ल्यांत कोंकणी भास उलोवपी 'सिद्दी' लोक आसात  
(B) केरळ राज्यांतल्या कोची वाठारांत आशिल्ल्या 'वायपीन जुंव्यार' कोंकणी भाशीक कुणबी लोक राबितो करून आसात  
(C) कर्नाटक भटकळ वाठारांतले मुसलमान लोक आपली आवयभास कोंकणी मानतात  
(D) आर.एस. भास्कर हांकां अणकारा खातीर साहित्य अकादमीचो पुरस्कार फाव जाला  
(E) सर्गेस्त नित्यानंद नायक हे कोंकणी भाशा मंडळाचे आदले अध्यक्ष आशिल्ले

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (E) आनी (D) (2) (C) आनी (A)  
(3) (B) आनी (D) (4) (E)

[Question ID = 1752][Question Description = Q49\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7005]
2. 2 [Option ID = 7006]
3. 3 [Option ID = 7007]
4. 4 [Option ID = 7008]

50) आध्यात्मिक पांवड्यावेली, मनीस धर्माचे चित्रण करपी, आत्मपरिक्षणात्मक कविता कोंकणीत खंयच्या कवीन केळयली?

- (A) माधव बोरकार आनी बाकीबाब बोरकार (B) पांडुरंग भांगी  
(C) मनोहरराय सरदेसाय (D) शंकर रामाणी  
(E) परेश नरेंद्र कामत

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (B) (2) (A) आनी (B)

(3) (C) आनी (D)

(4) (E) आनी (A)

[Question ID = 1753][Question Description = Q50\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7009]
2. 2 [Option ID = 7010]
3. 3 [Option ID = 7011]
4. 4 [Option ID = 7012]

51) मर्णविधीच्या वेळार गोंयातले खंयचे तीन समाज मेळ्ळ्या मनशाक बसलेले अवस्थेंत पुरतात ?

- |                         |                          |
|-------------------------|--------------------------|
| (A) कुणबी, वेळीप, म्हार | (B) म्हार, धनगर, गोंसाय  |
| (C) खारवी, धनगर, कुणबी  | (D) गावडा, वेळीप, गोंसाय |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |         |         |
|---------|---------|
| (1) (B) | (2) (A) |
| (3) (C) | (4) (D) |

[Question ID = 1754][Question Description = Q51\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7013]
2. 2 [Option ID = 7014]
3. 3 [Option ID = 7015]
4. 4 [Option ID = 7016]

52) शार वाडता आसा, पेप्सिकार, पांयजेल आनी मायाजाल तशेंच सोनचांफो, समिधा, दूसागर आनी नातें खंयच्या कथाझेल्यांत आसपावल्यात ?

- |                         |                               |
|-------------------------|-------------------------------|
| (A) सपनमोगी आनी समिधा   | (B) धर्तरेचो स्पर्श आनी कथिका |
| (C) कांदळां आनी खांवटें | (D) सोद आनी खांद आनी हेर कथा  |
| (E) सपनफुलां आनी कवासो  |                               |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (A) आनी (E) | (2) (B)         |
| (3) (D)         | (4) (C) आनी (D) |

[Question ID = 1755][Question Description = Q52\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7017]
2. 2 [Option ID = 7018]
3. 3 [Option ID = 7019]
4. 4 [Option ID = 7020]

53) 'फ्लोटिंग लायफ' हें प्रसाद सुरेश पागी हांचे पुस्तक खंयच्या साहित्य प्रकारांत आसपावता आनी उजवाडावणी करपी संस्था खंयची ?

- |   |
|---|
| (A) दर्यावेल्या कथांचे ; बिम्ब प्रकाशन  |
| (B) भोंवडे वर्णन, गोवा कोंकणी अकादमी    |
| (C) आत्मचरित्रात्मक ; संजना पब्लीकेशन्स |
| (D) ललितपर निबंद, केदार प्रकाशन         |
| (E) काव्य झेलो, रुद्रा प्रकाशन          |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |         |         |
|---------|---------|
| (1) (A) | (2) (C) |
|---------|---------|



(3) (D)

(4) (B)

[Question ID = 1756][Question Description = Q53\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7021]
2. 2 [Option ID = 7022]
3. 3 [Option ID = 7023]
4. 4 [Option ID = 7024]

54) कथा ही परिवेशाच्या माध्यमांतल्यान व्यक्तीमेरेन आनी व्यक्तीच्या माध्यमांतल्यान परिवेशामेरेन वचलेली प्रक्रिया अशें कोण म्हणता?

- |                   |                   |
|-------------------|-------------------|
| (A) किरण बुडकुले  | (B) दामोदर मावजो  |
| (C) राजेंद्र यादव | (D) मीना काकोडकार |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |         |         |
|---------|---------|
| (1) (C) | (2) (A) |
| (3) (B) | (4) (D) |

[Question ID = 1757][Question Description = Q54\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7025]
2. 2 [Option ID = 7026]
3. 3 [Option ID = 7027]
4. 4 [Option ID = 7028]

55) तियात्र ह्या प्रकाराक कोणे नांवारूपाक हाडलें आनी ताका आधुनिक तंत्र संहितेचो रूपकार कोणे दिलो?

- |                                 |                     |
|---------------------------------|---------------------|
| (A) सी. आल्वारीश, एम. बॉयर      | (B) तोमाझीन कार्दोझ |
| (C) फेलिक्स कार्दोझ, फा. फ्रेडी | (D) प्रेम कुमार     |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (C) आनी (D) | (2) (A) आनी (C) |
| (3) (A) आनी (B) | (4) (D) आनी (A) |

[Question ID = 1758][Question Description = Q55\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7029]
2. 2 [Option ID = 7030]
3. 3 [Option ID = 7031]
4. 4 [Option ID = 7032]

56) लेखकाच्या मर्णा उपरांत कथेच्या पुस्तकाक केंद्रीय साहित्य अकादेमीचो पुरस्कार फाव जालो. लेखक आनी कथा संग्रहाचें नांव खंयचें?

- |                  |                    |
|------------------|--------------------|
| (A) परीघ         | (B) चंद्रकांत केणी |
| (C) व्हंकल पावणी | (D) शशांक सिताराम  |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (D) आनी (C) | (2) (B) आनी (A) |
| (3) (B) आनी (D) | (4) (D) आनी (A) |

[Question ID = 1759][Question Description = Q56\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7033]
2. 2 [Option ID = 7034]
3. 3 [Option ID = 7035]
4. 4 [Option ID = 7036]

57) गोकुळदास प्रभू हाणी 'चवकी' ह्या नांवान कादंबरेचो कोंकणी भाशेंत अणकार केला. केंद्रीय साहित्य अकादेमीचो अणकाराचो पुरस्कार फाव जाल्ली ही कादंबरी मूळ खंयचे भारतीय भाशेंतली? ते कादंबरीचो लेखक कोण?

- |                         |                  |
|-------------------------|------------------|
| (A) एम.टी. वासुदेव नायर | (B) शिवराम कारंथ |
| (C) मलयाळम              | (D) कन्नड        |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (C) आनी (B) | (2) (D) आनी (B) |
| (3) (C) आनी (A) | (4) (D) आनी (A) |

[Question ID = 1760][Question Description = Q57\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7037]
2. 2 [Option ID = 7038]
3. 3 [Option ID = 7039]
4. 4 [Option ID = 7040]

58) 'कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय' ह्या पुस्तकाचें संपादन श्याम वेरेंकार, माधवी सरदेसाय आनी कमलाकर म्हाळशी हाणी केलां. हें पुस्तक खंयच्या वर्सा उजवाडा आयलां? पुस्तक प्रकाशीत करपी प्रकाशन संस्थेचें नांव कितें?

- |                               |          |
|-------------------------------|----------|
| (A) कोंकणी भाशा मंडळ गोंय     | (B) 2003 |
| (C) गोवा कोंकणी अकादमी - पणजी | (D) 2005 |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (A) आनी (D) | (2) (C) आनी (B) |
| (3) (A) आनी (B) | (4) (C) आनी (D) |

[Question ID = 1761][Question Description = Q58\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7041]
2. 2 [Option ID = 7042]
3. 3 [Option ID = 7043]
4. 4 [Option ID = 7044]

59) तुळात्मक साहित्याचे प्रयोजन तुळा करप आसता, ताचे पासत खंयचे निकश जाय पडतात?

- |  |  |
|--|--|
| (A) विश्लेषण, रसग्रहण, मूल्यमापन                     | (B) आकलन, विश्लेषण, रसग्रहण                        |
| (C) विश्लेषण, मूल्यमापन, साहित्याच्या अनेकातेचें भान | (D) रसग्रहण, साहित्याच्या अनेकातेचें भान, विश्लेषण |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (A) आनी (B) | (2) (C) आनी (D) |
| (3) (B) आनी (C) | (4) (A) आनी (C) |

[Question ID = 1762][Question Description = Q59\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7045]
2. 2 [Option ID = 7046]
3. 3 [Option ID = 7047]
4. 4 [Option ID = 7048]

60) 'विश्वसाहित्य' ही संकल्पना पयले फावट कोणे आनी केदना मांडली?

- |                           |                       |
|---------------------------|-----------------------|
| (A) जॉन वुल्फगॅंग फॉन गटे | (B) रवीन्द्रनाथ ठाकूर |
| (C) 1921                  | (D) 1827              |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (1) (A) आनी (D) | (2) (B) आनी (D) |
| (3) (A) आनी (C) | (4) (B) आनी (C) |

[Question ID = 1763][Question Description = Q60\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7049]
2. 2 [Option ID = 7050]
3. 3 [Option ID = 7051]
4. 4 [Option ID = 7052]

61) तुळात्मक साहित्य निर्मणीचे प्रमुख दोन घटक खंयचे? तांचो अर्थ कितें?

- (A) प्रभव आनी प्रभाव



- (A) उपलब्ध शब्दकोशाक मुखार दवरून समग्र कोंकणी उतरावळीचो संग्रह तयार करप
- (C) उत्पत्तीचें मूळ कारण आनी उत्पत्तीच्या मूळ कारणा वरवीं लाबिल्लें फलित
- (D) आकलन आनी रसग्रहण

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) आनी (C) (2) (B) आनी (C)
- (3) (A) आनी (D) (4) (B) आनी (D)

[Question ID = 1764][Question Description = Q61\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7053]
2. 2 [Option ID = 7054]
3. 3 [Option ID = 7055]
4. 4 [Option ID = 7056]

62) मुखार दिल्ल्या कोणाक साहित्य अकादमी (नवी दिल्ली) चो अणकारा पासत पुरस्कार लाबलो? खंयच्या पुस्तकाक?

- (A) जयमाला दगायत (B) हेमा नायक
- (C) कालिकता बायपास (D) रागदरबारी

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) आनी (C) (2) (B) आनी (C)
- (3) (A) आनी (D) (4) (B) आनी (D)

[Question ID = 1765][Question Description = Q62\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7057]
2. 2 [Option ID = 7058]
3. 3 [Option ID = 7059]
4. 4 [Option ID = 7060]

63) सकयल्या विधानां पैकी खंयची विधानां बरोबर आसात ताचो पर्याय सांगत.

- (A) शणै गोंयबाबाचें सगळ्यात पयलें उजवाडून आईल्ले सर्जनात्मक पुस्तक कवितांचे आसा
- (B) क्रांतीची वाट माडोवपी कवी म्हूण रमेश वेळूस्कारालें नांव घेतात
- (C) अदीक वास्तवनिष्ठ आनी समाजाभिमुख अशी प्रातिनिधिक कविता पुंडलीक नायक आनी प्रकाश पाडगांवकारान कोंकणीक दिली
- (D) मधुर तालबद्ध आनी लोकवेदाची फाटभूंय घेवन शंकर भांडारीन कोंकणी कविता केळयली

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (B) आनी (D) (2) (C) आनी (B)
- (3) (A) आनी (B) (4) (A) आनी (C)

[Question ID = 1766][Question Description = Q63\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7061]
2. 2 [Option ID = 7062]
3. 3 [Option ID = 7063]
4. 4 [Option ID = 7064]

64) कोंकणी भाशेच्या उदरगती खातीर भौतिक संस्थांनी कसलें काम करप गरजेचें आसा?

- (A) उपलब्ध शब्दकोशाक मुखार दवरून समग्र कोंकणी उतरावळीचो संग्रह तयार करप
- (B) तरणाटया पिळगेक एकठांय करुन मनोरंजनात्मक कार्यावळींचे आयोजन करप
- (C) गरजेचे संदर्भ ग्रंथ, पारिभाशिक ग्रंथ आनी मार्गदर्शनपर व्याकरणाची निर्मणी करप

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (B) (2) (A) आनी (B)  
 (3) (A) आनी (C) (4) (C)

[Question ID = 1767][Question Description = Q64\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7065]  
 2. 2 [Option ID = 7066]  
 3. 3 [Option ID = 7067]  
 4. 4 [Option ID = 7068]

65) कोणा गोंयकाराली कोंकणी भाशेंतली साहित्यकृती इंग्लिशींत अणकारल्या? ते साहित्यकृतीचो माथाळो कितें?

- (A) पुण्डलीक नारायण नायक (B) द अपहिहल  
 (C) यशवन्त पालेकार (D) मातयेचो मोग

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) आनी (D) (2) (C) आनी (D)  
 (3) (A) आनी (B) (4) (C) आनी (B)

[Question ID = 1768][Question Description = Q65\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7069]  
 2. 2 [Option ID = 7070]  
 3. 3 [Option ID = 7071]  
 4. 4 [Option ID = 7072]

66) साहित्य निर्मणे विशींची कल्पना आनी साहित्य विचारक हांच्यो समर्पक जोडयो लायात

- | List I  | List II                  |
|---|--------------------------|
| (A) मनशाकडल्यान जितलें उत्तम प्रकारांतलें आनन्दप्रद कथन     | (I) सॅम्युअर टेलर कोलरिज |
| (B) साहित्याचे निर्मणेंत समश्टी आनी तिचे उत्कर्णे आसूंक जाय | (II) मॅथ्यू आर्नोल्ड     |
| (C) विज्ञानाचे आड आशिल्ली सर्वोत्तम प्रतिपक्षताय            | (III) कार्ल मार्क्स      |
| (D) सर्वोत्तम धादोशी मनान अणभविल्ले सर्वोत्तम धादोशी खीण    | (IV) जॉन ड्रायडन         |
|   | (V) पर्सी बिरश शेली      |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(V)  
 (2) (A)-(III), (B)-(V), (C)-(II), (D)-(IV)  
 (3) (A)-(IV), (B)-(V), (C)-(II), (D)-(III)  
 (4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

[Question ID = 1769][Question Description = Q66\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7073]  
 2. 2 [Option ID = 7074]  
 3. 3 [Option ID = 7075]  
 4. 4 [Option ID = 7076]

67) भाशाविज्ञानाचे उपविशय आनी तांच्यो विशेषतायो हांच्या संदर्भांत अर्थपुराय जोडयो लायात :

- | List I                              | List II   |
|-------------------------------------|---|
| (A) इतिहासिक भाशाविज्ञान            | (I) प्रसंग आनी परिस्थिती वरवीं भाशेंत परिवर्तन जातात, त्या संबंदान अभ्यास करता  |
| (B) शैलिविज्ञान आनी सौन्दर्यमिमांसा | (II) एकाच गटाच्यो भासो कश्यो एका मुळा सावन येवं येतात, त्या संबंदान अभ्यास करता |
| (C) समाज भाशाविज्ञान                | (III) बरप आनी बरोवपी हातूंतले विंगडपण दाखोवपाचो अभ्यास करता                     |



(D) मनाभास वज्ञान

(IV) ल्हान मुर्गा मायभास कशा आजत करतात, त्या संबंदान अभ्यास करता

(V) वास्तविक आनी वेव्हारिक दिश्टिकोनांतल्यान भाशेचो अभ्यास करता

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(II)
- (2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
- (3) (A)-(IV), (B)-(V), (C)-(III), (D)-(II)
- (4) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

[Question ID = 1770][Question Description = Q67\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7077]
2. 2 [Option ID = 7078]
3. 3 [Option ID = 7079]
4. 4 [Option ID = 7080]

68) लेखकाआनी नाचो पयलो कथा संग्रह हांच्यो जोडयो लायात।

List I

- (A) मृद्गंध
- (B) प्रसंग
- (C) धर्तरी आजून जियेताली
- (D) सांवळयो

List II

- (I) रामनाथ गावडे
- (II) चंद्रकांत केणी
- (III) सुरेखा तोटेकार
- (IV) माया खरंगटे
- (V) विठ्ठल आवदियेकार

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(V)
- (2) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(V), (D)-(II)
- (3) (A)-(III), (B)-(V), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(V), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

[Question ID = 1771][Question Description = Q68\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7081]
2. 2 [Option ID = 7082]
3. 3 [Option ID = 7083]
4. 4 [Option ID = 7084]

69) कोंकणी राजभास आन्दोलन आनी संबंदीत वर्स हांच्यो समर्पक जोडयो लायात.

List I

- (A) अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेचें अधिवेशन (मडगांव)
- (B) 'कोंकणी प्रजेचो आवाज' नामक संघटनेची थापणूक
- (C) अखिल भारतीय कोंकणी परिशदेची थापणूक
- (D) भारतीय संसदेची, संविधानाचे आठवें वळेरेंत कोंकणीक एक भास म्हण समाविश्ट करपाच्या विधेयकाक अनुमती

List II

- (I) 1986 (निमंत्रक: पुण्डलीक नारायण नायक)
- (II) 1939 (संस्थापक: माधव मंजुनाथ शानभाग)
- (III) 1962 (साहित्य अकादमी नवी दिल्लीन मान्यता दिवची म्हण केल्ली मागणी)
- (IV) फेब्रुवरी 08, 1987
- (V) ऑगस्ट 20, 1992

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(V), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(V), (D)-(III)

- (3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)  
(4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(V)

[Question ID = 1772][Question Description = Q69\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7085]  
2. 2 [Option ID = 7086]  
3. 3 [Option ID = 7087]  
4. 4 [Option ID = 7088]

70) कोंकणी भाशेंत जातल्लो अणकार आनी अणकारपी हांचो सांगड घालात

List I	List II
(A) दिर्घ मौन तें	(I) म्हाबळेश्वर सैल
(B) ध्रुवतारे	(II) सुनेत्रा जोग
(C) कावळे आनी काळेंपाणी	(III) प्रशांती तळपणकार
(D) आजयेक वाचूंक शिकयलें	(IV) रमेश लाड
	(V) हेमा नायक

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(V), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)  
(2) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(V)  
(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)  
(4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(V), (D)-(II)

[Question ID = 1773][Question Description = Q70\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7089]  
2. 2 [Option ID = 7090]  
3. 3 [Option ID = 7091]  
4. 4 [Option ID = 7092]

71) लोकवेदाचे प्रकार आनी तांच्या सादरीकरणाच्या वेळार वाजोवपी लोकवाद्यांची जोडी लायात.

List I	List II
(A) सकारात	(I) धोल, थाळो
(B) मोरूलो	(II) घुमट, समेळ, झांज
(C) चप्पय	(III) धोल, तासो, कासाळें
(D) राधानाच	(IV) घुमट, झांज
	(V) पखवाज, पेटी, झांज

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(V)  
(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(V)  
(3) (A)-(I), (B)-(V), (C)-(IV), (D)-(III)  
(4) (A)-(III), (B)-(V), (C)-(I), (D)-(IV)

[Question ID = 1774][Question Description = Q71\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7093]  
2. 2 [Option ID = 7094]  
3. 3 [Option ID = 7095]  
4. 4 [Option ID = 7096]

72) सकयल दिल्ल्या परिच्छेदांचे आनी ग्रंथांचो फाव तो पर्याय खंयचो?



- | List I  | List II                                 |
|---|---|
| (A) ह्या सुंधरा बाळकाक, आमिं थैका खोपटांतु जल्मललो देखत खेविं ; तैसोचि ताका मुगतीचो रावसो वळखलो                           | (I) देवार्ची येकांग्र बोलणीं            |
| (B) जें पवित्र पुस्तकिं लिहिलां, आणीतुवें आपुल्या नांवाच्ये निशाणीयेन लिहिलां, तें आता उपराटें विपतशें दिसता              | (II) प्रास्सि पाशतोराल                  |
| (C) इतुर्ले आणी अदिकतोर ताकां सांगिल्या उपराटें त्या इतुल्याय लोकान परमेस्पराचो उजवाडु तांचे मनीं भेदल्या निमित्तिं ----- | (III) वनवाळ्याचो मळो                    |
| (D) मेल्या उपरांते स्वामियान कितें केलें, कोणि प्रमाणी आमचे सोडवणेचें कार्य संपादिलें, मरण, सैतानु---                     | (IV) अचर्य सातवें, सांत आंतोनिची अचर्या |
|   | (V) सगळ्या वरुसाचें वांजेल              |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(V)
- (2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(V), (D)-(IV)
- (3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)
- (4) (A)-(V), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

[Question ID = 1775][Question Description = Q72\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7097]
2. 2 [Option ID = 7098]
3. 3 [Option ID = 7099]
4. 4 [Option ID = 7100]

73) कथेचो प्रकार आनी तिचे शीर्शक हांचो सुमेळ योग्य रीतिन घालात

- | List I           | List II                            |
|------------------|------------------------------------|
| (A) उपहास कथा    | (I) झंप्या मास्तराची डायरी         |
| (B) विनोदी कथा   | (II) गवेत उगतें जायना              |
| (C) विज्ञान कथा  | (III) आमच्या गांवांत बी.डी.ओ. येता |
| (D) अॅब्सर्ड कथा | (IV) विशुती                        |
|                  | (V) जगम                            |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(V), (D)-(III)
- (2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
- (3) (A)-(V), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
- (4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

[Question ID = 1776][Question Description = Q73\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7101]
2. 2 [Option ID = 7102]
3. 3 [Option ID = 7103]
4. 4 [Option ID = 7104]

74) लोकवस्तू आनी तांच्या अर्थाच्या जोडयो लायात :

- | List I     | List II                                      |
|------------|--|
| (A) कुरपणो | (I) कडधान्य दवरपाक तयार केल्लें बेळाचें आयदन |
| (B) शिबें  | (II) शीत वाळपाक उपेगा पडपी साधन              |
| (C) सांगरी | (III) वखद घालून दवरपाचें बेळाचें साधन        |
| (D) कंडूल  | (IV) आयदनाचें तोंड धांपपाचें साधन            |

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(V), (D)-(I)
- (2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)
- (4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(V), (D)-(III)

[Question ID = 1777][Question Description = Q74\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7105]
2. 2 [Option ID = 7106]
3. 3 [Option ID = 7107]
4. 4 [Option ID = 7108]

75) फावो त्यो जोडयो लायात.

List I	List II
(A) ऐशें वचन बोलुनु होगि ते विष्णून उण्णोदकान क्षाळन केले भृगुचरण॥	(I) मानसोल्लास
(B) शीस कापलेंय तुजें/होलोफेर्निचें मोयझेची बेतकाटी तूं मे	(II) जेस्सेची ताळी
(C) मनू शिवाक वाणयेले/तो संसार सागर तारणु/मोहो तो	(III) वेंकटेश कल्याण
(D) बापाचें वचन मीची सत्य करिन गा पुत्र जो लावेया वचेन पालावेगा नहीं तरी यमलोका यातना भोगिनगा।	(IV) गोड्डे रामायण
	(V) नरसिंहावतार

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)-(V), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)
- (2) (A)-(IV), (B)-(V), (C)-(II), (D)-(I)
- (3) (A)-(III), (B)-(V), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

[Question ID = 1778][Question Description = Q75\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7109]
2. 2 [Option ID = 7110]
3. 3 [Option ID = 7111]
4. 4 [Option ID = 7112]

76) कोंकणी समिक्षेच्या पुस्तकांचो उजवाडणेच्या वर्सा प्रमाण अनुक्रम लायात।

- (A) कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय, अक्षर सरिता, वज्रघात, कोंकणी कवितेचो इतिहास
- (B) अक्षर सरिता, वज्रघात, कोंकणी कवितेचो इतिहास, कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय
- (C) अक्षर सरिता, कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय, कोंकणी कवितेचो इतिहास, वज्रघात
- (D) कोंकणी कवितेचो इतिहास, वज्रघात, कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय, अक्षर सरिता
- (E) कोंकणी भास साहित्य आनी संस्कृताय, अक्षर सरिता, वज्रघात, कोंकणी कवितेचो इतिहास

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- |         |         |
|---------|---------|
| (1) (A) | (2) (B) |
| (3) (C) | (4) (D) |

[Question ID = 1779][Question Description = Q76\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7113]
2. 2 [Option ID = 7114]
3. 3 [Option ID = 7115]
4. 4 [Option ID = 7116]



77) सतराव्या शेकड्यांत प्रकाशित जाल्ल्या पुस्तकांचो उजवाडणेच्या वर्साप्रमाण योग्य क्रम लायात

- (A) सांनु आंतोनिचीं अचर्या, आर्त द लिंग्व कानारीं, वनवाळ्याचो मळो
- (B) आर्त द लिंग्व कानारीं, वनवाळ्याचो मळो, सांतु आंतोनिचीं अचर्या,
- (C) वनवाळ्याचो मळो, आर्त द लिंग्व कानारीं, सांतु आंतोनिचीं अचर्या
- (D) आर्त द लिंग्व कानारीं, सांतु आंतोनिचीं अचर्या, वनवाळ्याचो मळो,

योग्य तो पर्याय वेंचात.

- (1) (A)
- (2) (B)
- (3) (C)
- (4) (D)

[Question ID = 1780][Question Description = Q77\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7117]
- 2. 2 [Option ID = 7118]
- 3. 3 [Option ID = 7119]
- 4. 4 [Option ID = 7120]

78) र.वि. पंडीत हांच्या कविता संग्रहाच्या उजवाडणेच्या वर्साचो योग्य क्रम लायात

- (A) रेंवेंतलीं पावलां, आयलें तशें गायलें, ल्हारां
- (B) आयलें तशें गायलें, ल्हारां, रेंवेंतलीं पावलां,
- (C) ल्हारां, आयलें तशें गायलें, रेंवेंतलीं पावलां,
- (D) आयलें तशें गायलें, रेंवेंतलीं पावलां,

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A) (2) (B)
- (3) (D) (4) (C)

[Question ID = 1781][Question Description = Q78\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7121]
- 2. 2 [Option ID = 7122]
- 3. 3 [Option ID = 7123]
- 4. 4 [Option ID = 7124]

79) कोंकणी भाशेचो उद्गम आनी विकास हांच्या वर्साचो योग्य क्रम लायात.

- (A) कोंकणी समाजाचें स्थलांतरण, भाशीक शुन्यकाळ, क्रिस्ती धर्मीक साहित्य निर्मिती
- (B) क्रिस्ती धर्मीक साहित्य निर्मिती, कोंकणी समाजाचें स्थलांतरण, भाशीक शुन्यकाळ
- (C) क्रिस्ती धर्मीक साहित्य निर्मिती, भाशीक शुन्यकाळ, कोंकणी समाजाचें स्थलांतरण
- (D) कोंकणी समाजाचें स्थलांतरण, क्रिस्ती धर्मीक साहित्य निर्मिती, भाशीक शुन्यकाळ

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतल्यान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)
- (2) (B)
- (3) (C)
- (4) (D)

[Question ID = 1782][Question Description = Q79\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7125]
- 2. 2 [Option ID = 7126]
- 3. 3 [Option ID = 7127]
- 4. 4 [Option ID = 7128]

80) कोंकणी भास आनी तांच्या जैतीच्या पांवड्यांचो वर्सा प्रमाण योग्य क्रम लायात।

(A) कोंकणी भाशेक सव्या शतक चलयनांत कोंकणी भाशेक सव्या शतक चलयनांत कोंकणी भाशेचे भावनाय परिणामांत

- आस्पाव
- (B) कोंकणी भाशेक राज्य भास म्हूण मान्यताय, कोंकणी भाशेचो आठव्या परिशिष्टांत आस्पाव, कोंकणी भाशेक राष्ट्रीय मान्यताय,
- (C) कोंकणी भाशेक राष्ट्रीय मान्यताय, कोंकणी भाशेचो आठव्या परिशिष्टांत आस्पाव, कोंकणी भाशेक राज्य भास म्हूण मान्यताय,
- (D) कोंकणी भाशेक राष्ट्रीय मान्यताय, कोंकणी भाशेक राज्य भास म्हूण मान्यताय, कोंकणी भाशेचो आठव्या परिशिष्टांत आस्पाव

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतलो योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) (A)  
 (2) (B)  
 (3) (C)  
 (4) (D)

[Question ID = 1783][Question Description = Q80\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7129]  
 2. 2 [Option ID = 7130]  
 3. 3 [Option ID = 7131]  
 4. 4 [Option ID = 7132]

81) गोंय मुक्ततांथे उपरांत देवनागरी लिपयेंत सुरु जाल्ल्या नेमाळ्यांचो तांच्या उजवाडणेच्या वर्साचो योग्य क्रम लायात

- (A) जाग, पुनव, कोंकण भारती  
 (B) पुनव, जाग, कोंकण भारती  
 (C) कोंकण भारती, जाग, पुनव  
 (D) कोंकण भारती, पुनव, जाग

सकयल्या पर्यायांतलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) (A)  
 (2) (B)  
 (3) (C)  
 (4) (D)

[Question ID = 1784][Question Description = Q81\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7133]  
 2. 2 [Option ID = 7134]  
 3. 3 [Option ID = 7135]  
 4. 4 [Option ID = 7136]

82) कोंकणी भाशेचे उदरगती विशींच्यो मुखेल घडणुकांच्या वर्साचो योग्य क्रम लायात

- (A) कोंकणी भाशेक साहित्य अकादमीची मान्यताय, केरळांत कोंकणी भाशा प्रचार सभेची स्थापना, मंगळुरांत विश्व कोंकणी केंद्राची स्थापना  
 (B) केरळांत कोंकणी भाशा प्रचार सभेची स्थापना, कोंकणी भाशेक साहित्य अकादमीची मान्यताय, मंगळुरांत विश्व कोंकणी केंद्राची स्थापना  
 (C) कोंकणी भाशेक साहित्य अकादमीची मान्यताय, मंगळुरांत विश्व कोंकणी केंद्राची स्थापना, केरळांत कोंकणी भाशा प्रचार सभेची स्थापना  
 (D) मंगळुरांत विश्व कोंकणी केंद्राची स्थापना, कोंकणी भाशेक साहित्य अकादमीची मान्यताय, केरळांत कोंकणी भाशा प्रचार सभेची स्थापना

सकयल दिल्ल्या पर्यायांतलो फावो तो पर्याय वेंचात.



- (1) (A)
- (2) (B)
- (3) (C)
- (4) (D)

[Question ID = 1785][Question Description = Q82\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7137]
- 2. 2 [Option ID = 7138]
- 3. 3 [Option ID = 7139]
- 4. 4 [Option ID = 7140]

83) सकयल दिल्ल्या कोंकणी पुस्तकांचो साहित्य पुरस्कार फाव जाल्ल्या वर्सा प्रमाण योग्य क्रम लायात।

- (A) व्हंकल पावणी, मान्नी पुनव, वंशकुळाचें देणें
- (B) वंशकुळाचें देणें, व्हंकल पावणी, मान्नी पुनव
- (C) मान्नी पुनव, वंशकुळाचें देणें, व्हंकल पावणी
- (D) मान्नी पुनव, व्हंकल पावणी, वंशकुळाचें देणें

सकयल दिल्ल्या पर्यायातलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) (A)
- (2) (B)
- (3) (C)
- (4) (D)

[Question ID = 1786][Question Description = Q83\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7141]
- 2. 2 [Option ID = 7142]
- 3. 3 [Option ID = 7143]
- 4. 4 [Option ID = 7144]

84) प्रकाश वझरीकार हांका गोवा कोंकणी अकादेमी आयोजित राज्य पांवड्यावेले कोंकणी मराठी नाटक सर्तीत मेळिल्लो पयलें नाटय लेखनाचे पुरस्कार हांचो योग्य तो क्रम खंयचो?

- (A) आनी एक प्रस्न पर्व, तो एक दीस, घट्टाण कोणाचें?, काणी तशी जुनीच
- (B) घट्टाण कोणाचें?, काणी तशी जुनीच, आनी एक प्रस्न पर्व, तो एक दीस
- (C) काणी तशी जुनीच, घट्टाण कोणाचें, आनी एक प्रस्न पर्व, तो एक दीस
- (D) तो एक दीस, काणी तशी जुनीच, घट्टाण कोणाचें? आनी एक प्रस्न पर्व

सकयल दिल्ल्या पर्यायातलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) (A) बरोबर
- (2) (B) बरोबर
- (3) (C) बरोबर
- (4) (D) बरोबर

[Question ID = 1787][Question Description = Q84\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

- 1. 1 [Option ID = 7145]
- 2. 2 [Option ID = 7146]
- 3. 3 [Option ID = 7147]
- 4. 4 [Option ID = 7148]

85) उजावाडावणेच्या वर्साप्रमाण प्रकाश पर्येकार हया कथाकाराच्या कथांचो योग्य क्रम खंयचो

- (A) रियली शी इज ग्रेट, वर्सल, ज्यानी, काजर फळ, मोनेळ माया
- (B) रियली शी इज ग्रेट, काजर फळ, वर्सल, मोनेळ माया, ज्यानी
- (C) वर्सल, काजर फळ, रियली शी इज ग्रेट, मोनेळ माया, ज्यानी
- (D) ज्यानी, काजर फळ, वर्सल, मोनेळ माया, रियली शी इज ग्रेट

सकयल दिल्ल्या पर्यायातलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) (A)
- (2) (B)
- (3) (C)
- (4) (D)

[Question ID = 1788][Question Description = Q85\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7149]
2. 2 [Option ID = 7150]
3. 3 [Option ID = 7151]
4. 4 [Option ID = 7152]

- 86) मुखार दोन विधानां दिल्यात. एकाक 'ए' (एसर्शन) आनी दुसऱ्याक 'आर' (रिझन) अशी संबोधकां (लेबल्स) दिल्यात :
- (Assertion (A)) : वीणा आलासे हांचो 'शरद साहित्याचो स्वीकार' हो तौलनिक साहित्याभ्यास : तत्चे आनी दिशा' ह्या पुस्तकांतलो लेख एक आदर्श नमुनो मानतात.
- (Reason (R)) : शरच्चन्द्र चट्टोपध्याय हांचे स्थान हेर भारतीय भाशांतल्या साहित्यकृतींत ठसठशीतपणान दिसून येता म्हणपाचें चिकित्सात्मक विश्लेषण करूंक ना.

वेल्या विधानांच्या आदारान योग्य पर्याय सांगात.

- (1) 'ए' आनी 'आर' हीं दोनूय बरोबर आसात ; 'आर' ही सटिक समजावणी
- (2) 'ए' आनी 'आर' हीं दोनूय बरोबर आसात ; 'आर' ही सटिक समजावणी न्हय
- (3) 'ए' हें बरोबर आसा, परन्त 'आर' हें बरोबर न्हय.
- (4) 'ए' हें बरोबर न्हय, परन्त 'आर' हें बरोबर आसा.

[Question ID = 1789][Question Description = Q86\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7153]
2. 2 [Option ID = 7154]
3. 3 [Option ID = 7155]
4. 4 [Option ID = 7156]

- 87) मुखार दोन विधानां दिल्यात.
- विधान I : खालाबे इस्मायल हाणे भक्तियितां तशेंच धर्मीक स्वरूपाचें काव्य रचलें अशें म्हणतात.
- विधान II : अब्दूल रहमान हाणे 1837 वर्सा बरयिल्ल्या भक्ती काव्याचें हस्तलिखित हें नवायर्तीतलें सगळ्यांत पोरणें उपलब्ध काव्य म्हणू येता.

वयल्या विधानांच्या आदारान सकयल्या पर्यायांतलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) वयल्या वाक्यांतले I आनी II विधान बरोबर
- (2) वयल्या वाक्यांतले I आनी II विधान चूक
- (3) वयल्या वाक्यांतले I बरोबर पूण II चूक
- (4) वयल्या वाक्यांतले I चूक पूण II बरोबर

[Question ID = 1790][Question Description = Q87\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7157]
2. 2 [Option ID = 7158]
3. 3 [Option ID = 7159]
4. 4 [Option ID = 7160]

- 88) सकयल दोन विधानां दिल्ली आसात.
- विधान I : जेन्ना 'अ' कारान्त ('अ' न सोंपपी) संयुक्ताक्षर आसता, तेन्ना ताचे आदलो 'इ' कार वो 'उ' कार ह्रस्व (मोटवो) बरोवंचो.
- विधान II : ह्या व्याकरणांतल्या नेमाक पाळो दिवपी एक देख म्हळ्यार - किल्ल, चित्र, चित्र, दिश्ट

वयल्या विधानांच्या आदारान सकयल्या पर्यायांतलो फावो तो पर्याय वेंचात.

- (1) वयल्या विधानांतले I बरोबर, II चूक
- (2) I चूक, II बरोबर
- (3) दोनूय वाक्यां बरोबर
- (4) दोनूय वाक्यां चूक

[Question ID = 1791][Question Description = Q88\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7161]
2. 2 [Option ID = 7162]
3. 3 [Option ID = 7163]
4. 4 [Option ID = 7164]

- 89) सकयल दोन विधानां दिल्यात.



- विधान I : वार्ता (खबरां) पत्रां बरवीं वाचकांची बुद्धिमत्ता चडावतपणात वाडटा.
- विधान II : देखून दूरचित्रवाणीचो सोद लागचे आदीं समश्टीची वाचना विशींची यत्ता आयजच्या परस उत्तम आशिल्ली.

वयल्या विधानांच्या आदारान पर्याय वेंचात.

- (1) वयल्या वाक्यांतलो पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
- (2) वयल्या वाक्यांतलो उत्तरार्ध बरोबर, पूर्वार्ध चूक
- (3) पुराय वाक्य बरोबर
- (4) पुराय वाक्य चूक

[Question ID = 1792][Question Description = Q89\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7165]
2. 2 [Option ID = 7166]
3. 3 [Option ID = 7167]
4. 4 [Option ID = 7168]

90) सकयल दोन विधानां दिल्यात.

- विधान I : 'शबै शबै भौजनसमाज' ह्या नाटकांतली प्रयोगशीळताय ही तांतूतल्या आशय आनी अभिव्यक्तीकडेन संबंद दवरता. बदललेली अभिव्यक्ती पोरणे संकल्पनेतल्यान साकार जायना. देखून पोरणे आकृतिबंध सोडून दिवंचे पडतात 'अशें' प्रियदर्शिनी तडकोडकार म्हणटा
- विधान II : 'आनीक एक बुटो फुल्लो' हे नाटयकृतींत गोयंच्या समाजजीणेचे प्रतिकात्मक चित्रण आयलां' हें मत जयंती नायकान उगतायलां.

वयल्या विधानांच्या आदारान योग्य पर्याय वेंचात.

- (1) पुराय वाक्य बरोबर
- (2) पुराय वाक्य चूक
- (3) विधान I बरोबर आनी विधान II चूक
- (4) विधान I चूक आनी विधान II बरोबर

[Question ID = 1793][Question Description = Q90\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7169]
2. 2 [Option ID = 7170]
3. 3 [Option ID = 7171]
4. 4 [Option ID = 7172]

Topic:- 85Konkani\_B

1) मुखर दिल्लो परिच्छेद वाचून ताचेर निम्बून आशिल्ल्या पांच प्रस्नांच्यो उचित जापो वेंचात.

“विंगड विंगड राष्ट्रांचें त्या त्या काळांत जाणविल्लें आत्मतत्व, त्या त्या राष्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावावरवीं 'म्हजे' 'आमचे' अशी आपणाल्या राष्ट्रांविशींची आत्मिक जाणविकाय, राष्ट्रांवादाचे आत्मवादी, स्वच्छन्दतावादी, स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक, अर्विल्ली प्रवृत्ती हे साबार घटक तुळात्मक साहित्यांत ठसठसति पणान नियाकूंक येवंक जाय. हेर राष्ट्रांतले आपणाले संस्कृतींत रिगून घेव पाचो येतना करता आसतना तें उखलापें दिसता वो ना, हो नियाळ तपासून घेवंचो पडटा. मानवी स्वभावाचो गुणधर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचें स्वरूप राष्ट्रीय दिसता, अशेंय म्हणू नज. अशें आसल्यारय विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर अलंकार जयापथ आपणायल्यान त्यात्या राष्ट्रांतल्या साहित्यिक खेरितपणा आयला, अशें दिसल्यारय ताचीं पाळां-मुळां हुमटायल्लीं आसात म्हणपाची गवाय निस्सं निस्सं मेळत रावता. हे बसकेचेर भारतीय साहित्य, इङ्ग्लिश साहित्य, जर्मन साहित्य, फ्रेञ्च साहित्य, पुर्तुगेज साहित्य



ठसठशीतपणान वेगळावं येता. 'भारतीय साहित्य' ही संज्ञा प्रथमतः अस्तन्त भारत विद्या शास्त्राच्या (इण्डॉलॉजिस्टच्या) अभ्यासकांनी उपयोजिल्ली. तांचे दिश्टींतल्यान 'भारतीय साहित्य' हे संज्ञेंत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, निखटो तिचोच आस्पाव जाता. 1827 त 'विश्वसाहित्य' ही संकल्पना आरंबी जर्मनींतले फाकिवन्त साहित्यिक जॉन वुल्फ गॅड्ग फॉन गोएटे हांणी तर बंगालातले साहित्यिक रविद्रनाथ ठाकूर होणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात. म्हणतकच ह्या दोन संकल्पना वरवीं अर्थच्छटा विंगड विंगड स्वरूपाच्यो आसात म्हणपाचें सिद्ध जाता".

आपणालें 'राश्ट्रीय साहित्य' अशें म्हणपाची संद केन्ना मेळता?

- (1) हेर राश्ट्रांतल्या बरपावळींत त्या त्या काळांत जाणविल्लें आपणालें आत्मतत्त्व नियाळतकच ;
- (2) हेर राश्ट्रांतल्या बरपावळींत त्या त्या राश्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावा वरवीं 'म्हजें', 'आमचें' अशी आपणाल्या राश्ट्रा विशींची आत्मिक जाणविकाय जातकच ;
- (3) आपणाले बरपावळींत कालिक स्वभाव, आत्मतत्त्व, राश्ट्रवादाचें स्वच्छन्दतावादी स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्लीं आधुनिक प्रवृत्ती नियाकटकच ;
- (4) विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर 'अलंकार' जयापथ आपणायतकच

[Question ID = 1794][Question Description = Q91\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7173]
2. 2 [Option ID = 7174]
3. 3 [Option ID = 7175]
4. 4 [Option ID = 7176]

2) मुखर दिल्लो परिच्छेद वाचून ताचेर निम्बून आशिल्या पांच प्रस्नांच्यो उचित जापो वेंचात.

"विंगड विंगड राश्ट्रांचें त्या त्या काळांत जाणविल्लें आत्मतत्त्व, त्या त्या राश्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावावरवीं 'म्हजे' 'आमचे' अशी आपणाल्या राश्ट्राविशींची आत्मिक जाणविकाय, राश्ट्रवादाचे आत्मवादी, स्वच्छन्दतावादी, स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक, अर्विल्ली प्रवृत्ती हे साबार घटक तुळात्मक साहित्यांत ठसठशाति पणान नियाकूंक येवंक जाय. हेर राश्ट्रांतले आपणाले संस्कृतींत रिगून घेव पाचो येतना करता आसतना तें उखलापें दिसता वो ना, हो नियाळ तपासून घेवंचो पडटा. मानवी स्वभावाचो गुणधर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचें स्वरूप राश्ट्रीय दिसता, अशेंय म्हणू नज. अशें आसल्यारय विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर अलंकार जयापथ आपणायल्यान त्यात्या राश्ट्रांतल्या साहित्यिक खेरितपणा आयला, अशें दिसल्यारय ताचीं पाळां-मुळां हुमटायल्लीं आसात म्हणपाची गवाय निस्सं निस्सं मेळत रावता. हे बसकेचेर भारतीय साहित्य, इङ्ग्लिश साहित्य, जर्मन साहित्य, फ्रेञ्च साहित्य, पुर्तुगेज साहित्य ठसठशीतपणान वेगळावं येता. 'भारतीय साहित्य' ही संज्ञा प्रथमतः अस्तन्त भारत विद्या शास्त्राच्या (इण्डॉलॉजिस्टच्या) अभ्यासकांनी उपयोजिल्ली. तांचे दिश्टींतल्यान 'भारतीय साहित्य' हे संज्ञेंत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, निखटो तिचोच आस्पाव जाता. 1827 त 'विश्वसाहित्य' ही संकल्पना आरंबी जर्मनींतले फाकिवन्त साहित्यिक जॉन वुल्फ गॅड्ग फॉन गोएटे हांणी तर बंगालातले साहित्यिक रविद्रनाथ ठाकूर होणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात. म्हणतकच ह्या दोन संकल्पना वरवीं अर्थच्छटा विंगड विंगड स्वरूपाच्यो आसात म्हणपाचें सिद्ध जाता".

"1827 त विश्वसाहित्य ही संकल्पना आरंबी जर्मनींतले प्रतिभावंत साहित्यिक जॉन वुल्फगॅड्ग फॉन गोएटे हांणी मांडली, तर बंगालींतले प्रतिभावंत कवी रवीन्द्रनाथ ठाकूर हांणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात". इण्डॉलॉजिस्ट अभ्यासकांनी अशीच एक संकल्पना मांडली, ती खंयची?

- (1) भारतीय साहित्य
- (2) जर्मन साहित्य
- (3) संस्कृत साहित्य
- (4) प्राकृत साहित्य

[Question ID = 1795][Question Description = Q92\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7177]
2. 2 [Option ID = 7178]
3. 3 [Option ID = 7179]
4. 4 [Option ID = 7180]

3) मुखर दिल्लो परिच्छेद वाचून ताचेर निम्बून आशिल्या पांच प्रस्नांच्यो उचित जापो वेंचात.



“विंगड विंगड राष्ट्रचें त्या त्या काळांत जाणविल्लें आत्मतत्त्व, त्या त्या राष्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावावरवीं ‘म्हजे’ ‘आमचे’ अशी आपणाल्या राष्ट्राविशींची आत्मिक जाणविकाय, राष्ट्रवादाचे आत्मवादी, स्वच्छन्दतावादी, स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक, अर्विल्ली प्रवृत्ती हे साबार घटक तुळात्मक साहित्यांत ठसठशाति पणान नियाकूंक येवंक जाय. हेर राष्ट्रांतले आपणाले संस्कृतींत रिगून घेव पाचो येतना करता आसतना तें उखलापें दिसता वो ना, हो नियाळ तपासून घेवंचो पडटा. मानवी स्वभावाचो गुणधर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचें स्वरूप राष्ट्रीय दिसता, अशेंय म्हणू नज. अशें आसल्यारय विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर अलंकार जयापथ आपणायल्यान त्यात्या राष्ट्रांतल्या साहित्यिक खेरितपणा आयला, अशें दिसल्यारय ताचीं पाळां-मुळां हुमटायल्लीं आसात म्हणपाची गवाय निस्सं निस्सं मेळत रावता. हे बसकेचेर भारतीय साहित्य, इंग्लिश साहित्य, जर्मन साहित्य, फ्रेञ्च साहित्य, पुर्तुगेज साहित्य ठसठशीतपणान वेगळावं येता. ‘भारतीय साहित्य’ ही संज्ञा प्रथमतः अस्तन्त भारत विद्या शास्त्राच्या (इण्डॉलॉजिस्टच्या) अभ्यासकांनी उपयोजिल्ली. तांचे दिश्टींतल्यान ‘भारतीय साहित्य’ हे संज्ञेंत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, निखटो तिचोच आस्पाव जाता. 1827 त ‘विश्वसाहित्य’ ही संकल्पना आरंबी जर्मनींतले फाकिवन्त साहित्यिक जॉन वुल्फ गॅड्ग फॉन गोएटे हांणी तर बंगालातले साहित्यिक रविद्रनाथ ठाकूर होणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात. म्हणतकच ह्या दोन संकल्पना वरवीं अर्थच्छटा विंगड विंगड स्वरूपाच्यो आसात म्हणपाचें सिद्ध जाता”.

“मानवी स्वभावाचो गुण धर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचे स्वरूप राष्ट्रीय दिसत अशें म्हणू नज.” – म्हळ्यार कितें ?

- (1) एका राष्ट्रांतली जीण, संस्कृताय एकेच तरेची आसता, अशें दिसना. देखून साहित्याचें स्वरूप राष्ट्रीय दिसताच अशें न्हय.
- (2) एका राष्ट्रांतले नागरिक, साहित्यिक एकाच स्वभावाचे आसतात अशें म्हणू नज. देखून तांचे बरपावळींत राष्ट्रीयता आसता असो आग्रो धरूंक मेळना
- (3) राष्ट्रवादाचे आत्मवादी स्वच्छन्दतावादी स्वरूप आनी साहित्य हांचे विशींच्या बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक प्रवृत्ती ठस ठशीतपणान नियाळूंक येताच अशें न्हय.
- (4) ‘विश्वसाहित्या’ चो प्रभाव वाडूंक लागिल्लो आसत जाल्यार राष्ट्रीय साहित्याची निर्मणी अंदूक लागता. देखून त्या साहित्याचे स्वरूप राष्ट्रीय दिसत अशें म्हणू नज.

[Question ID = 1796][Question Description = Q93\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7181]
2. 2 [Option ID = 7182]
3. 3 [Option ID = 7183]
4. 4 [Option ID = 7184]

- 4) मुखर दिल्लो परिच्छेद वाचून ताचेर निम्बून आशिल्या पांच प्रस्नांच्यो उचित जापो वेंचात.

“विंगड विंगड राष्ट्रचें त्या त्या काळांत जाणविल्लें आत्मतत्त्व, त्या त्या राष्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावावरवीं ‘म्हजे’ ‘आमचे’ अशी आपणाल्या राष्ट्राविशींची आत्मिक जाणविकाय, राष्ट्रवादाचे आत्मवादी, स्वच्छन्दतावादी, स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक, अर्विल्ली प्रवृत्ती हे साबार घटक तुळात्मक साहित्यांत ठसठशाति पणान नियाकूंक येवंक जाय. हेर राष्ट्रांतले आपणाले संस्कृतींत रिगून घेव पाचो येतना करता आसतना तें उखलापें दिसता वो ना, हो नियाळ तपासून घेवंचो पडटा. मानवी स्वभावाचो गुणधर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचें स्वरूप राष्ट्रीय दिसता, अशेंय म्हणू नज. अशें आसल्यारय विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर अलंकार जयापथ आपणायल्यान त्यात्या राष्ट्रांतल्या साहित्यिक खेरितपणा आयला, अशें दिसल्यारय ताचीं पाळां-मुळां हुमटायल्लीं आसात म्हणपाची गवाय निस्सं निस्सं मेळत रावता. हे बसकेचेर भारतीय साहित्य, इंग्लिश साहित्य, जर्मन साहित्य, फ्रेञ्च साहित्य, पुर्तुगेज साहित्य ठसठशीतपणान वेगळावं येता. ‘भारतीय साहित्य’ ही संज्ञा प्रथमतः अस्तन्त भारत विद्या शास्त्राच्या (इण्डॉलॉजिस्टच्या) अभ्यासकांनी उपयोजिल्ली. तांचे दिश्टींतल्यान ‘भारतीय साहित्य’ हे संज्ञेंत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, निखटो तिचोच आस्पाव जाता. 1827 त ‘विश्वसाहित्य’ ही संकल्पना आरंबी जर्मनींतले फाकिवन्त साहित्यिक जॉन वुल्फ गॅड्ग फॉन गोएटे हांणी तर बंगालातले साहित्यिक रविद्रनाथ ठाकूर होणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात. म्हणतकच ह्या दोन संकल्पना वरवीं अर्थच्छटा विंगड विंगड स्वरूपाच्यो आसात म्हणपाचें सिद्ध जाता”.

अस्तन्त भारतविद्याशास्त्रा (इण्डॉलॉजिस्टां) च्या अभ्यासकांचे दिश्टींतल्यान भारतांत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, तिचो आस्पाव कसल्या प्रकारांतल्या साहित्यांत जाता ?



- |                    |                         |
|--------------------|-------------------------|
| (1) भारतीय साहित्य | (2) राष्ट्रिय साहित्य   |
| (3) विश्व साहित्य  | (4) राष्ट्रवादी साहित्य |

[Question ID = 1797][Question Description = Q94\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7185]
2. 2 [Option ID = 7186]
3. 3 [Option ID = 7187]
4. 4 [Option ID = 7188]

5) मुखर दिल्ली परिच्छेद वाचून ताचेर निम्बून आशिल्ल्या पांच प्रस्नांच्यो उचित जापो वेंचात.

“विंगड विंगड राष्ट्रांचें त्या त्या काळांत जाणविल्लें आत्मतत्व, त्या त्या राष्ट्रांचो विशिष्ट काळांतलो स्वभाव आनी त्या स्वभावावरवीं ‘म्हजे’ ‘आमचे’ अशी आपणाल्या राष्ट्राविशींची आत्मिक जाणविकाय, राष्ट्रवादाचे आत्मवादी, स्वच्छन्दतावादी, स्वरूप आनी साहित्याच्या इतिहास बरपावळींत रिगिल्ली आधुनिक, अर्विल्ली प्रवृत्ती हे साबार घटक तुळात्मक साहित्यांत ठसठशीतपणान नियाकूंक येवंक जाय. हेर राष्ट्रांतले आपणाले संस्कृतींत रिगून घेव पाचो येतना आसतना तें उखलापें दिसता वो ना, हो नियाळ तपासून घेवंचो पडटा. मानवी स्वभावाचो गुणधर्म एकेच तरेचो आशिल्ल्यान साहित्याचें स्वरूप राष्ट्रीय दिसता, अशेंय म्हणू नज. अशें आसल्यारय विश्वात्मक अणभव, प्रतिमा, प्रतिकां आनी हेर अलंकार जयापथ आपणायल्यान त्यात्या राष्ट्रांतल्या साहित्यिक खेरितपणा आयला, अशें दिसल्यारय ताचीं पाळां-मुळां हुमटायल्लीं आसात म्हणपाची गवाय निस्सं निस्सं मेळत रावता. हे बसकेचेर भारतीय साहित्य, इंग्लिश साहित्य, जर्मन साहित्य, फ्रेञ्च साहित्य, पुर्तुगेज साहित्य ठसठशीतपणान वेगळावं येता. ‘भारतीय साहित्य’ ही संज्ञा प्रथमतः अस्तन्त भारत विद्या शास्त्राच्या (इण्डॉलॉजिस्टच्या) अभ्यासकांनी उपयोजिल्ली. तांचे दिश्टींतल्यान ‘भारतीय साहित्य’ हे संज्ञेंत संस्कृत, प्राकृत आनी अपभ्रंश स्वरूपांत जी बरपावळ जाली, निखटो तिचोच आस्पाव जाता. 1827 त ‘विश्वसाहित्य’ ही संकल्पना आरबी जर्मनींतले फाकिवन्त साहित्यिक जॉन युल्फ गॅड्ग फॉन गोएटे हांणी तर बंगालांतले साहित्यिक रविद्रनाथ ठाकूर होणी ती संकल्पना 1921 तल्या एका व्याख्यानांत प्रचलित केली, अशें म्हणतात. म्हणतकच ह्या दोन संकल्पना वरवीं अर्थच्छटा विंगड विंगड स्वरूपाच्यो आसात म्हणपाचें सिद्ध जाता”.

वयर दिल्ल्या परिच्छेदांत कसल्या दोन संकल्पना विशींचो विचार मांडला ?

- (1) हेर भाशांतल्या विश्वात्मक अणभवांचो, प्रतिकां प्रतिमांचो स्वीकार करप आनी तांका आपणालेंच असो आग्रो धरप ;
- (2) हेर राष्ट्रांतल्या साहित्याची पाकां मुळां हुमटावन तीं आपणाले साहित्य निर्माणेंत रिगोवपाचो यत्न करप ;
- (3) राष्ट्रीय साहित्य आनी विश्वात्मक साहित्य हांचे मजगतींतलें खेरितपण दाखोवप ;
- (4) राष्ट्रवादाचे स्वच्छन्दतावादी स्वरूप आनी बरपावळींत रिगिल्लीं आधुनिक प्रवृत्ती तुळात्मक साहित्यान नियाळप.

[Question ID = 1798][Question Description = Q95\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7189]
2. 2 [Option ID = 7190]
3. 3 [Option ID = 7191]
4. 4 [Option ID = 7192]

Topic:- 85Konkani\_C

1) मुखर दिल्ली परिच्छेद वाचात. ताच्या मुखर दिल्ल्या पांच प्रस्नां कडेन संबंदीत आशिल्ल्या उत्तरांच्या पर्यायंतलो समुचित पर्याय वेंचून सांगात :

ब्रह्मदेवांनी सांगलें, “बरें आसा”, आनी तांणी चार वेदांतल्यान जाय तितलें कांय भाग बेंचून कुशी काडले. ते एकठांय करून ते भाग साबारांक ग्रहण करूंक समा जायत असो ‘नाट्यवेद’ घडयलो. उपरान्त तांणी इन्द्राक आफोवणे धाडलें आनी म्हळें, “तुमच्यांतले जे जितश्रम आसात, तांका हं ‘नाट्यवेद’ दी.” पुण जितश्रम ह्या गुणांनी परिपुराय असो कोणूच देवांच्या मेळांत नाशिल्लो. देखू इन्द्रान म्हळें, “पितामह, ह्या वेदाचें ग्रहण, धारण, गिन्यान वो प्रयोग करपाक देवमण्डळ समर्थ ना कारण तुमकां ज्या गुणांची अपेक्षा आसा, ते गुण देवांच्या आंगांत नात.” तें आयकून ब्रह्मदेव चिन्तेस्त जाले आनी उपरान्त तो ‘नाट्यवेद’ आचार्य भरतमुनीक दिलो. आचार्य भरतमुनीनी तो ‘नाट्यवेद’ आपणाल्या भुरग्यांक शिकयलो आनी जाका जी भूमिका सोबून दिसताली, ती ताका दिवन ‘भारती’ ‘आरभटी’ आनी ‘सात्त्वती’ ह्या गुण-वृत्तींनी युक्त आशिल्लो एक नाट्यप्रयोगय सिद्ध केलो ब्रह्मदेवांनी आचार्य भरतमुनीची ती सिद्धता पळोवन म्हळें, ह्या प्रयोगांत आनी एका गुणवृत्तीची म्हळ्यार ‘कैशिकी’ चोय आसपाव कर. तांच्या म्हणण्याचेर प्रतिक्रिया उगतायता आसतना आचार्यांनी म्हळें, “भगवन्, अस्तुरीविणें कैशिकीचो प्रयोग करप शक्य ना. देखून ब्रह्मदेवांनी आचार्यांक ‘नाट्यलङ्काराचतुर’ अशो अप्सरा दिल्यो, तेन्नाच्यान नाटकांत सोबीतपण दाखोवचेच्या लालित्याचो आसपाव जावंक लागलो.

ब्रह्मदेवांनी खंयच्या वेदांतल्यान जाय तितले कांय भाग एकठांय केले ?

- (1) काव्येन अशर्वनेन गजनेन आनी जम्बकेन
- (2) शनी रामनी काव्येन अशर्वनेन



(3) श्रुती, स्मृती, यजुर्वेद आनी नाट्यवेद

(4) ऋग्वेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद आनी सामवेद

[Question ID = 1799][Question Description = Q96\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7193]
2. 2 [Option ID = 7194]
3. 3 [Option ID = 7195]
4. 4 [Option ID = 7196]

2) मुखार दिल्ली परिच्छेद वाचात. ताच्या मुखार दिल्ल्या पांच प्रस्नां कडेन संबंदीत आशिल्ल्या उत्तरांच्या पर्यायंतलो समुचित पर्याय वेंचून सांगात :

ब्रह्मदेवांनी सांगलें, “बरें आसा”, आनी तांणीं चार वेदांतल्यान जाय तितलें कांय भाग बेंचून कुशी काडले. ते एकठांय करून ते भाग साबारांक ग्रहण करूंक समा जायत असो ‘नाट्यवेद’ घडयलो. उपरान्त तांणी इन्द्राक आफोवणे धाडलें आनी म्हळें, “तुमच्यांतले जे जितश्रम आसात, तांका हें ‘नाट्यवेद’ दी.” पुण जितश्रम ह्या गुणांनी परिपुराय असो कोणूच देवांच्या मेळांत नाशिल्लो. देखू इन्द्रान म्हळें, “पितामह, ह्या वेदाचें ग्रहण, धारण, गिन्यान वो प्रयोग करपाक देवमण्डळ समर्थ ना कारण तुमकां ज्या गुणांची अपेक्षा आसा, ते गुण देवांच्या आंगांत नात.” तें आयकून ब्रह्मदेव चिन्तेस्त जाले आनी उपरान्त तो ‘नाट्यवेद’ आचार्य भरतमुनीक दिलो. आचार्य भरतमुनींनी तो ‘नाट्यवेद’ आपणाल्या भुरग्यांक शिकयलो आनी जाका जी भूमिका सोबून दिसताली, ती ताका दिवन ‘भारती’ ‘आरभटी’ आनी ‘सात्त्वती’ ह्या गुण-वृत्तींनी युक्त आशिल्लो एक नाट्यप्रयोगय सिद्ध केलो ब्रह्मदेवांनी आचार्य भरतमुनींची ती सिद्धता पळोवन म्हळें, ह्या प्रयोगांत आनी एका गुणवृत्तीची म्हळ्यार ‘कैशिकी’ चोय आसपाव कर. तांच्या म्हणण्याचेर प्रतिक्रिया उगतायता आसतना आचार्यांनी म्हळें, “भगवन्, अस्तुरीविणें कैशिकीचो प्रयोग करप शक्य ना. देखून ब्रह्मदेवांनी आचार्यांक ‘नाट्यलङ्काराचतुर’ अशो अप्सरा दिल्यो, तेन्नाच्यान नाटकांत सोबीतपण दाखोवचेच्या लालित्याचो आसपाव जावंक लागलो.

आचार्य ब्रह्मदेवांनी चार गुणवृत्तींचे बसकेर नाट्यप्रयोग करपा पासत खंयच्या वृत्तीचो पालव घेतलो?

- (1) ‘भारती’, ‘आरभटी’, ‘कौशिकी’ आनी ‘सात्त्वती’
- (2) ऋग्वेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद आनी सामवेद
- (3) कुशळ, विदग्ध, प्रगल्भ, आनी काटक
- (4) ‘नाट्यलङ्काराचतुर’, ‘नाट्यवेद’, ‘कौशिकी’ आनी ‘सात्त्वती’

[Question ID = 1800][Question Description = Q97\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7197]
2. 2 [Option ID = 7198]
3. 3 [Option ID = 7199]
4. 4 [Option ID = 7200]

3) मुखार दिल्ली परिच्छेद वाचात. ताच्या मुखार दिल्ल्या पांच प्रस्नां कडेन संबंदीत आशिल्ल्या उत्तरांच्या पर्यायंतलो समुचित पर्याय वेंचून सांगात :

ब्रह्मदेवांनी सांगलें, “बरें आसा”, आनी तांणीं चार वेदांतल्यान जाय तितलें कांय भाग बेंचून कुशी काडले. ते एकठांय करून ते भाग साबारांक ग्रहण करूंक समा जायत असो ‘नाट्यवेद’ घडयलो. उपरान्त तांणी इन्द्राक आफोवणे धाडलें आनी म्हळें, “तुमच्यांतले जे जितश्रम आसात, तांका हें ‘नाट्यवेद’ दी.” पुण जितश्रम ह्या गुणांनी परिपुराय असो कोणूच देवांच्या मेळांत नाशिल्लो. देखू इन्द्रान म्हळें, “पितामह, ह्या वेदाचें ग्रहण, धारण, गिन्यान वो प्रयोग करपाक देवमण्डळ समर्थ ना कारण तुमकां ज्या गुणांची अपेक्षा आसा, ते गुण देवांच्या आंगांत नात.” तें आयकून ब्रह्मदेव चिन्तेस्त जाले आनी उपरान्त तो ‘नाट्यवेद’ आचार्य भरतमुनीक दिलो. आचार्य भरतमुनींनी तो ‘नाट्यवेद’ आपणाल्या भुरग्यांक शिकयलो आनी जाका जी भूमिका सोबून दिसताली, ती ताका दिवन ‘भारती’ ‘आरभटी’ आनी ‘सात्त्वती’ ह्या गुण-वृत्तींनी युक्त आशिल्लो एक नाट्यप्रयोगय सिद्ध केलो ब्रह्मदेवांनी आचार्य भरतमुनींची ती सिद्धता पळोवन म्हळें, ह्या प्रयोगांत आनी एका गुणवृत्तीची म्हळ्यार ‘कैशिकी’ चोय आसपाव कर. तांच्या म्हणण्याचेर प्रतिक्रिया उगतायता आसतना आचार्यांनी म्हळें, “भगवन्, अस्तुरीविणें कैशिकीचो प्रयोग करप शक्य ना. देखून ब्रह्मदेवांनी आचार्यांक ‘नाट्यलङ्काराचतुर’ अशो अप्सरा दिल्यो, तेन्नाच्यान नाटकांत सोबीतपण दाखोवचेच्या लालित्याचो आसपाव जावंक लागलो.

जितश्रम म्हळ्यार कितें?

- (1) कुशळ, विदग्ध, प्रगल्भ, आनी काटक आशिल्ल्यो व्यक्ती
- (2) ऋग्वेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद आनी सामवेद हांचे गिन्यान आशिल्ल्यो व्यक्ती
- (3) जैत मेळसर श्रम-परिश्रम करपी व्यक्ती
- (4) रंगमंच, संगीत, लेखनाची मांडावळ आनी प्रकाशयेवजणाची सिद्धता करपी व्यक्ती

[Question ID = 1801][Question Description = Q98\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7201]



2. 2 [Option ID = 7202]
3. 3 [Option ID = 7203]
4. 4 [Option ID = 7204]

4) मुखार दिल्लो परिच्छेद वाचात. ताच्या मुखार दिल्ल्या पांच प्रस्नां कडेन संबंदीत आशिल्ल्या उत्तरांच्या पर्यायंतलो समुचित पर्याय वेंचून सांगात :

ब्रह्मदेवांनी सांगलें, “बरें आसा”, आनी तांणीं चार वेदांतल्यान जाय तितलें कांय भाग बेंचून कुशी काडले. ते एकठांय करून ते भाग साबारांक ग्रहण करूंक समा जायत असो ‘नाट्यवेद’ घडयलो. उपरान्त तांणी इन्द्राक आफोवणे धाडलें आनी म्हळें, “तुमच्यांतले जे जितश्रम आसात, तांका हें ‘नाट्यवेद’ दी.” पुण जितश्रम ह्या गुणांनी परिपुराय असो कोणूच देवांच्या मेळांत नाशिल्लो. देखू इन्द्रान म्हळें, “पितामह, ह्या वेदाचें ग्रहण, धारण, गिन्यान वो प्रयोग करपाक देवमण्डळ समर्थ ना कारण तुमकां ज्या गुणांची अपेक्षा आसा, ते गुण देवांच्या आंगांत नात.” तें आयकून ब्रह्मदेव चिन्तेस्त जाले आनी उपरान्त तो ‘नाट्यवेद’ आचार्य भरतमुनीक दिलो. आचार्य भरतमुनीनी तो ‘नाट्यवेद’ आपणाल्या भुरग्यांक शिकयलो आनी जाका जी भूमिका सोबून दिसताली, ती ताका दिवन ‘भारती’ ‘आरभटी’ आनी ‘सात्त्वती’ ह्या गुण-वृत्तींनी युक्त आशिल्लो एक नाट्यप्रयोगय सिद्ध केलो ब्रह्मदेवांनी आचार्य भरतमुनीची ती सिद्धता पळोवन म्हळें, ह्या प्रयोगांत आनी एका गुणवृत्तीची म्हळ्यार ‘कैशिकी’ चोय आसपाव कर. तांच्या म्हणण्याचेर प्रतिक्रिया उगतायता आसतना आचार्यांनी म्हळें, “भगवन्, अस्तुरीविणें कैशिकीचो प्रयोग करप शक्य ना. देखून ब्रह्मदेवांनी आचार्यांक ‘नाट्यलङ्काराचतुर’ अशो अप्सरा दिल्यो, तेन्नाच्यान नाटकांत सोबीतपण दाखोवचेच्या लालित्याचो आसपाव जावंक लागलो.

‘कैशिकी’ म्हळ्यार कितें?

- (1) सोबितपण दाखोवचेलें लालित्य
- (2) रंगमंच, संगीत, लेखनाची मांडावळ आनी प्रकाश येवजणाची सिद्धता
- (3) ऋग्वेद, अथर्ववेद, यजुर्वेद आनी सामवेद
- (4) नाट्यवेद

[Question ID = 1804][Question Description = Q99\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7213]
2. 2 [Option ID = 7214]
3. 3 [Option ID = 7215]
4. 4 [Option ID = 7216]

5) मुखार दिल्लो परिच्छेद वाचात. ताच्या मुखार दिल्ल्या पांच प्रस्नां कडेन संबंदीत आशिल्ल्या उत्तरांच्या पर्यायंतलो समुचित पर्याय वेंचून सांगात :

ब्रह्मदेवांनी सांगलें, “बरें आसा”, आनी तांणीं चार वेदांतल्यान जाय तितलें कांय भाग बेंचून कुशी काडले. ते एकठांय करून ते भाग साबारांक ग्रहण करूंक समा जायत असो ‘नाट्यवेद’ घडयलो. उपरान्त तांणी इन्द्राक आफोवणे धाडलें आनी म्हळें, “तुमच्यांतले जे जितश्रम आसात, तांका हें ‘नाट्यवेद’ दी.” पुण जितश्रम ह्या गुणांनी परिपुराय असो कोणूच देवांच्या मेळांत नाशिल्लो. देखू इन्द्रान म्हळें, “पितामह, ह्या वेदाचें ग्रहण, धारण, गिन्यान वो प्रयोग करपाक देवमण्डळ समर्थ ना कारण तुमकां ज्या गुणांची अपेक्षा आसा, ते गुण देवांच्या आंगांत नात.” तें आयकून ब्रह्मदेव चिन्तेस्त जाले आनी उपरान्त तो ‘नाट्यवेद’ आचार्य भरतमुनीक दिलो. आचार्य भरतमुनीनी तो ‘नाट्यवेद’ आपणाल्या भुरग्यांक शिकयलो आनी जाका जी भूमिका सोबून दिसताली, ती ताका दिवन ‘भारती’ ‘आरभटी’ आनी ‘सात्त्वती’ ह्या गुण-वृत्तींनी युक्त आशिल्लो एक नाट्यप्रयोगय सिद्ध केलो ब्रह्मदेवांनी आचार्य भरतमुनीची ती सिद्धता पळोवन म्हळें, ह्या प्रयोगांत आनी एका गुणवृत्तीची म्हळ्यार ‘कैशिकी’ चोय आसपाव कर. तांच्या म्हणण्याचेर प्रतिक्रिया उगतायता आसतना आचार्यांनी म्हळें, “भगवन्, अस्तुरीविणें कैशिकीचो प्रयोग करप शक्य ना. देखून ब्रह्मदेवांनी आचार्यांक ‘नाट्यलङ्काराचतुर’ अशो अप्सरा दिल्यो, तेन्नाच्यान नाटकांत सोबीतपण दाखोवचेच्या लालित्याचो आसपाव जावंक लागलो.

ह्या परिच्छेदांत निर्देशिल्लो ‘नाट्यवेद’ हो संदर्भ खंयचे ग्रंथिक कृतीक उद्देशून केला?

- (1) आचार्य भरतमुनी हांच्या ‘नाट्यशास्त्र’ ह्या ग्रंथाक
- (2) आचार्य भरतमुनीच्या ‘रसगंगाधर’ ह्या ग्रंथाक
- (3) आचार्य दण्डीन् हांच्या ‘काव्यमिमांसा’ ह्या ग्रंथाक
- (4) भरतमुनीच्या ‘काव्यमिमांसा’ ह्या ग्रंथाक

[Question ID = 1805][Question Description = Q100\_Konkani\_SHAAN\_NOV20\_Shift1]

1. 1 [Option ID = 7217]
2. 2 [Option ID = 7218]
3. 3 [Option ID = 7219]
4. 4 [Option ID = 7220]



- 1) Consider the following table that shows the percentage (%) distribution of workforce of India and ratio of male to female workforce of India in different employment sectors during a given year. Total workforce in all the sectors put together is 80 lakhs. Based on the data contained in the table, answer the question :

Sector-wise Distribution of Workforce of India

Employment Sector	Workforce of India	
	Percentage (%) Distribution	Ratio of Male to Female (M : F)
Service (SE)	15%	3 : 2
Sales (SA)	12%	5 : 3
Construction and Maintenance (M)	9%	5 : 4
Professional (PR)	18%	5 : 7
Management (MA)	21%	3 : 4
Production and Transport (PT)	19%	5 : 3
Others (OT)	6%	3 : 5

निम्नलिखित तालिका पर विचार कीजिए जिसमें एक दिये हुए वर्ष में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल का प्रतिशत (%) वितरण तथा पुरुष-महिला कार्यबल अनुपात दर्शाया गया है। सभी क्षेत्रों के कुल कार्यबल की संख्या 80 लाख है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए।

भारत के कार्यबल का क्षेत्रवार वितरण

रोजगार का क्षेत्र	भारत का कार्यबल	
	प्रतिशत (%) वितरण	पुरुष-महिला अनुपात ( पु : म )
सेवा (एस ई)	15%	3 : 2
सेल्स (एस ए)	12%	5 : 3
निर्माण और अनुरक्षण (सी एम)	9%	5 : 4
प्रोफेशनल (पी आर)	18%	5 : 7
प्रबंधन (एम ए)	21%	3 : 4
उत्पादन और परिवहन (पी टी)	19%	5 : 3
अन्य (ओ टी)	6%	3 : 5

What is the average number of male workforce in all the sectors put together? (rounded-off to two decimal places)

- (1) 6.39 lakhs (2) 4.69 lakhs  
(3) 5.96 lakhs (4) 7.48 lakhs

सभी क्षेत्रों को मिलाकर पुरुष कार्यबल की औसत संख्या क्या है? (दशमलव के दो अंकों तक)

- (1) 6.39 लाख (2) 4.69 लाख  
(3) 5.96 लाख (4) 7.48 लाख

[Question ID = 2007][Question Description = Q01\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8025]  
2. 2 [Option ID = 8026]  
3. 3 [Option ID = 8027]  
4. 4 [Option ID = 8028]

- 2) Consider the following table that shows the percentage (%) distribution of workforce of India and ratio of male to female workforce of India in different employment sectors during a given year. Total workforce in all the sectors put together is 80 lakhs. Based on the data contained in the table, answer the question :

Sector-wise Distribution of Workforce of India

Employment Sector	Workforce of India	
	Percentage (%) Distribution	Ratio of Male to Female (M : F)



Service (SE)	15%	3 : 2
Sales (SA)	12%	5 : 3
Construction and Maintenance (M)	9%	5 : 4
Professional (PR)	18%	5 : 7
Management (MA)	21%	3 : 4
Production and Transport (PT)	19%	5 : 3
Others (OT)	6%	3 : 5

निम्नलिखित तालिका पर विचार कीजिए जिसमें एक दिये हुए वर्ष में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल का प्रतिशत (%) वितरण तथा पुरुष-महिला कार्यबल अनुपात दर्शाया गया है। सभी क्षेत्रों के कुल कार्यबल की संख्या 80 लाख है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए।

भारत के कार्यबल का क्षेत्रवार वितरण

रोजगार का क्षेत्र	भारत का कार्यबल	
	प्रतिशत (%) वितरण	पुरुष-महिला अनुपात ( पु : म )
सेवा (एस ई)	15%	3 : 2
सेल्स (एस ए)	12%	5 : 3
निर्माण और अनुरक्षण (सी एम)	9%	5 : 4
प्रोफेशनल (पी आर)	18%	5 : 7
प्रबंधन (एम ए)	21%	3 : 4
उत्पादन और परिवहन (पी टी)	19%	5 : 3
अन्य (ओ टी)	6%	3 : 5

The number of female workforce in SE and PR sectors put together is what percent of the number of male workforce in CM sector?

- (1) 330% (2) 318%  
(3) 320% (4) 80%

एस ई और पी आर क्षेत्रों में कार्यरत महिला कार्यबल की कुल संख्या सी एम क्षेत्र में कार्यरत पुरुष कार्यबल की संख्या का कितना प्रतिशत है?

- (1) 330% (2) 318%  
(3) 320% (4) 80%

[Question ID = 2008][Question Description = Q02\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8029]  
2. 2 [Option ID = 8030]  
3. 3 [Option ID = 8031]  
4. 4 [Option ID = 8032]

- 3) Consider the following table that shows the percentage (%) distribution of workforce of India and ratio of male to female workforce of India in different employment sectors during a given year. Total workforce in all the sectors put together is 80 lakhs. Based on the data contained in the table, answer the question :

Sector-wise Distribution of Workforce of India

Employment Sector	Workforce of India	
	Percentage (%) Distribution	Ratio of Male to Female (M : F)
Service (SE)	15%	3 : 2
Sales (SA)	12%	5 : 3
Construction and Maintenance (M)	9%	5 : 4
Professional (PR)	18%	5 : 7
Management (MA)	21%	3 : 4
Production and Transport (PT)	19%	5 : 3
Others (OT)	6%	3 : 5



निम्नलिखित तालिका पर विचार कीजिए जिसमें एक दिये हुए वर्ष में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल का प्रतिशत (%) वितरण तथा पुरुष-महिला कार्यबल अनुपात दर्शाया गया है। सभी क्षेत्रों के कुल कार्यबल की संख्या 80 लाख है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए।

भारत के कार्यबल का क्षेत्रवार वितरण

रोजगार का क्षेत्र	भारत का कार्यबल	
	प्रतिशत (%) वितरण	पुरुष-महिला अनुपात ( पु : म )
सेवा (एस ई)	15%	3 : 2
सेल्स (एस ए)	12%	5 : 3
निर्माण और अनुरक्षण (सी एम)	9%	5 : 4
प्रोफेशनल (पी आर)	18%	5 : 7
प्रबंधन (एम ए)	21%	3 : 4
उत्पादन और परिवहन (पी टी)	19%	5 : 3
अन्य (ओ टी)	6%	3 : 5

The number of male workforce in SA and MA sectors put together is approximately what percent of the total number of workforce in PT sector?

- (1) 82% (2) 87%  
(3) 89% (4) 85%

एस ए और एम ए क्षेत्रों में कार्यरत पुरुष कार्यबल की कुल संख्या पी टी क्षेत्र में कार्यरत कार्यबल की कुल संख्या का लगभग कितना प्रतिशत है?

- (1) 82% (2) 87%  
(3) 89% (4) 85%

[Question ID = 2009][Question Description = Q03\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8033]  
2. 2 [Option ID = 8034]  
3. 3 [Option ID = 8035]  
4. 4 [Option ID = 8036]

- 4) Consider the following table that shows the percentage (%) distribution of workforce of India and ratio of male to female workforce of India in different employment sectors during a given year. Total workforce in all the sectors put together is 80 lakhs. Based on the data contained in the table, answer the question :

Sector-wise Distribution of Workforce of India

Employment Sector	Workforce of India	
	Percentage (%) Distribution	Ratio of Male to Female (M : F)
Service (SE)	15%	3 : 2
Sales (SA)	12%	5 : 3
Construction and Maintenance (M)	9%	5 : 4
Professional (PR)	18%	5 : 7
Management (MA)	21%	3 : 4
Production and Transport (PT)	19%	5 : 3
Others (OT)	6%	3 : 5

निम्नलिखित तालिका पर विचार कीजिए जिसमें एक दिये हुए वर्ष में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल का प्रतिशत (%) वितरण तथा पुरुष-महिला कार्यबल अनुपात दर्शाया गया है। सभी क्षेत्रों के कुल कार्यबल की संख्या 80 लाख है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए।

भारत के कार्यबल का क्षेत्रवार वितरण

रोजगार का क्षेत्र	भारत का कार्यबल
-------------------	-----------------

	प्रतिशत (%) वितरण	पुरुष-महिला अनुपात ( पु : म )
सेवा (एस ई)	15%	3 : 2
सेल्स (एस ए)	12%	5 : 3
निर्माण और अनुरक्षण (सी एम)	9%	5 : 4
प्रोफेशनल (पी आर)	18%	5 : 7
प्रबंधन (एम ए)	21%	3 : 4
उत्पादन और परिवहन (पी टी)	19%	5 : 3
अन्य (ओ टी)	6%	3 : 5

The difference in the number of female workforce in SA and MA sectors put together and the number of female workforce in PT sector is :

- (1) 5.1 lakhs (2) 7.5 lakhs  
(3) 5.7 lakhs (4) 13.2 lakhs

एस ए और एम ए क्षेत्रों में कार्यरत महिला कार्यबल की कुल संख्या और पी टी क्षेत्र में कार्यरत महिला कार्यबल की संख्या का अंतर कितना है?

- (1) 5.1 लाख (2) 7.5 लाख  
(3) 5.7 लाख (4) 13.2 लाख

[Question ID = 2010][Question Description = Q04\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8037]  
2. 2 [Option ID = 8038]  
3. 3 [Option ID = 8039]  
4. 4 [Option ID = 8040]

- 5) Consider the following table that shows the percentage (%) distribution of workforce of India and ratio of male to female workforce of India in different employment sectors during a given year. Total workforce in all the sectors put together is 80 lakhs. Based on the data contained in the table, answer the question :

Sector-wise Distribution of Workforce of India

Employment Sector	Workforce of India	
	Percentage (%) Distribution	Ratio of Male to Female (M : F)
Service (SE)	15%	3 : 2
Sales (SA)	12%	5 : 3
Construction and Maintenance (M)	9%	5 : 4
Professional (PR)	18%	5 : 7
Management (MA)	21%	3 : 4
Production and Transport (PT)	19%	5 : 3
Others (OT)	6%	3 : 5

निम्नलिखित तालिका पर विचार कीजिए जिसमें एक दिये हुए वर्ष में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल का प्रतिशत (%) वितरण तथा पुरुष-महिला कार्यबल अनुपात दर्शाया गया है। सभी क्षेत्रों के कुल कार्यबल की संख्या 80 लाख है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न के उत्तर दीजिए।

भारत के कार्यबल का क्षेत्रवार वितरण

रोजगार का क्षेत्र	भारत का कार्यबल	
	प्रतिशत (%) वितरण	पुरुष-महिला अनुपात ( पु : म )
सेवा (एस ई)	15%	3 : 2
सेल्स (एस ए)	12%	5 : 3
निर्माण और अनुरक्षण (सी एम)	9%	5 : 4
प्रोफेशनल (पी आर)	18%	5 : 7



प्रबन्धन (एम ए)	21%	3 : 4
उत्पादन और परिवहन (पी टी)	19%	5 : 3
अन्य (ओ टी)	6%	3 : 5

What is the ratio of the number of female workforce in CM sector compared to the number of male workforce in PR and OT sectors put together?

- (1) 17 : 39 (2) 16 : 37  
(3) 16 : 35 (4) 16 : 39

सी एम क्षेत्र में कार्यरत महिला कार्यबल की संख्या और पी आर एवं ओ टी क्षेत्रों में कार्यरत पुरुष कार्यबल की कुल संख्या का अनुपात क्या है?

- (1) 17 : 39 (2) 16 : 37  
(3) 16 : 35 (4) 16 : 39

[Question ID = 2011][Question Description = Q05\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8041]  
2. 2 [Option ID = 8042]  
3. 3 [Option ID = 8043]  
4. 4 [Option ID = 8044]

Topic:- General Paper\_Set1\_B

1) In which level of teaching, the main focus is laid on capturing and systematic presentation of ideas and information?

- (1) Memory level (2) Understanding level  
(3) Reflective level (4) Autonomous development level

अध्यापन के किस स्तर में मुख्य जोर विचार और सूचना को ग्राह्य करने और उसके व्यवस्थित प्रस्तुतीकरण पर होता है?

- (1) स्मृति स्तर (2) अवबोध स्तर  
(3) मनन स्तर (4) स्वायत्त विकास स्तर

[Question ID = 2012][Question Description = Q06\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1  
[Option ID = 8045]  
2. 2  
[Option ID = 8046]  
3. 3  
[Option ID = 8047]  
4. 4  
[Option ID = 8048]

2) The following is a list of some basic teaching competencies identified through various researches on teaching. Which among of them fall in the domain of behavioural competencies?

- (A) Self efficacy  
(B) Planning  
(C) Locus of control  
(D) Communicating  
(E) Flexibility

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) and (B)  
(2) (B) and (C)  
(3) (D) and (E)  
(4) (B) and (D)

निम्नलिखित कुछ बुनियादी अध्यापन क्षमताओं की सूची है जिन्हें अध्यापन संबंधी विभिन्न शोधों के माध्यम से चिन्हित किया गया है। उन्हें चुनिए जो व्यवहार अनुक्षेत्र की क्षमताएं हैं। उनमें से कौन सी क्षमताएं व्यवहार अनुक्षेत्र के अन्तर्गत आती हैं?

- (A) आत्म-क्षमता (सामर्थ्य)  
(B) नियोजन  
(C) नियंत्रण की संस्थिति  
(D) सम्प्रेषण

(E) नमनीयता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (B)
- (2) (B) और (C)
- (3) (D) और (E)
- (4) (B) और (D)

[Question ID = 2013][Question Description = Q07\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1

[Option ID = 8049]

2. 2

[Option ID = 8050]

3. 3

[Option ID = 8051]

4. 4

[Option ID = 8052]

3) Match List I with List II

List I gives the methods of teaching in Institutions of higher learning while List II provides the techniques of increasing effectiveness of the method.

List I List II

Methods of teaching Techniques for increasing effectiveness

- (A) Face to face interactive method (I) Using Swayam and Moocs  
 (B) Open and distance learning method (II) Programmed instructional packages  
 (C) Individualized method of teaching (III) Modular instructional material  
 (D) Online methods of teaching (IV) Reflective questions coupled with discussion

Choose the correct answer from the option given below :

- (1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
- (2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
- (3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए। सूची-I में उच्च अधिगम संस्थाओं में शिक्षण की विधियों दी गई हैं, जबकि सूची-II में अधिगम विधियों की प्रभावशीलता बढ़ाने की तकनीक दी गई हैं।

सूची-I

शिक्षण की विधियां

- (A) आमने-सामने की अंतर्क्रियात्मक विधि
- (B) मुक्त और दूरवर्ती अधिगम विधि
- (C) शिक्षण की वैयक्तिक विधि
- (D) शिक्षण की ऑनलाइन विधि

सूची-II

प्रभावशीलता बढ़ाने की तकनीक

- (I) स्वयम् और मूक्स का प्रयोग
- (II) अभिक्रमित अनुदेशात्मक पैकेज
- (III) मॉड्युलर अनुदेशात्मक सामग्री
- (IV) परिचर्चा के साथ-साथ विमर्शक प्रश्न

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
- (2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)
- (3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)
- (4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

[Question ID = 2014][Question Description = Q08\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8053]

2. 2 [Option ID = 8054]

3. 3 [Option ID = 8055]

4. 4 [Option ID = 8056]



4) Given below are two statements

Statement (I) : Achievement and aptitude tests are designed to assess the upper limits of the examinees' knowledge and abilities.

Statement (II) : Objective personality tests and projective personality tests are designed to measure the typical behaviour and characteristics of examinees.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- (1) Both Statement (I) and Statement (II) are correct
- (2) Both Statement (I) and Statement (II) are incorrect
- (3) Statement (I) is correct but Statement (II) is incorrect
- (4) Statement (I) is incorrect but Statement (II) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : उपलब्धि और अभिक्षमता परीक्षणों को परीक्षार्थियों के ज्ञान और उनकी क्षमता की ऊपरी सीमा का आकलन करने के दृष्टिगत तैयार किया जाता है।

कथन (II) : वस्तुनिष्ठ व्यक्तित्व परीक्षण और प्रक्षेपीय व्यक्तित्व परीक्षण परीक्षार्थियों के विशिष्ट व्यवहार व गुण का माप करने के प्रयोजन से तैयार किए जाते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन (I) और (II) दोनों सही हैं।
- (2) कथन (I) और (II) दोनों गलत हैं।
- (3) कथन (I) सही है, लेकिन कथन (II) गलत है।
- (4) कथन (I) गलत है, लेकिन कथन (II) सही है।

[Question ID = 2015][Question Description = Q09\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8057]
2. 2 [Option ID = 8058]
3. 3 [Option ID = 8059]
4. 4 [Option ID = 8060]

5) Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : The purpose underlying modern and ICT based support system in teaching is to optimise learning outcomes.

Reasons (R) : An effective instructional support system has to be linked with enhancement of learning conditions.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is true but (R) is false
- (4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : शिक्षण में आधुनिक और आई सी टी आधारित सहायता प्रणाली का निहित प्रयोजन अधिगम परिणामों को इष्टतम बनाना है।

कारण (R) : किसी प्रभावी शिक्षण सहायता प्रणाली को अधिगम परिस्थितियों में सुधार के साथ संयुक्त किया जाना चाहिए।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।
- (4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

[Question ID = 2016][Question Description = Q10\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8061]



2. 2 [Option ID = 8062]
3. 3 [Option ID = 8063]
4. 4 [Option ID = 8064]

6) Which type of research encourages participant's perspective?

- (1) Ethnographic method (2) Historical research  
(3) Exegetic research (4) Experimental research

किस प्रकार के शोध में प्रतिभागी-परिपेक्ष्य को प्रोत्साहित किया जाता है?

- (1) नृजातीय शोध (2) ऐतिहासिक शोध  
(3) व्यासयात्मक शोध (4) प्रयोगात्मक शोध

[Question ID = 2017][Question Description = Q11\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8065]
2. 2 [Option ID = 8066]
3. 3 [Option ID = 8067]
4. 4 [Option ID = 8068]

7) Hypothesis testing which results into either affirmation or disaffirmation is the explicit concern in which methods of research?

- (A) Descriptive method  
(B) Experimental method  
(C) Ex Post Facto method  
(D) Historical method  
(E) Exegetical method

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A) and (B)  
(2) (B) and (C)  
(3) (C) and (D)  
(4) (D) and (E)

परिकल्पना परिक्षण जिसकी परिणति या तो अभिपुष्टि या अपुष्टि के रूप में होती है, शोध की निम्नलिखित में से किन विधियों का स्पष्ट सरोकार है?

- (A) विवरणात्मक विधि  
(B) प्रयोगात्मक विधि  
(C) कार्योत्तर विधि  
(D) ऐतिहासिक विधि  
(E) व्यासयात्मक विधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (B)  
(2) (B) और (C)  
(3) (C) और (D)  
(4) (D) और (E)

[Question ID = 2018][Question Description = Q12\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8069]
2. 2 [Option ID = 8070]
3. 3 [Option ID = 8071]
4. 4 [Option ID = 8072]

8) Match List I with List II. List I gives steps of research while List II provides techniques used.

List I List II Steps of research Techniques used

- (A) Problem formulation (I) Tabular and graphical representation of data  
(B) Hypothesis making (II) Drawing a subset from a larger set  
(C) Selecting a sampling procedure (III) Raising pivotal question in a field of enquiry  
(D) Data Analysis (IV) Setting up relationship among variables of research

Choose the correct answer from the option given below :

- (1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)



(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

(4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए। सूची-I में शोध के चरण प्रदत्त हैं, जबकि सूची-II में उनके द्वारा प्रयुक्त तकनीक

सूची-I	सूची-II
शोध के चरण	प्रयोग में लाई जानेवाली तकनीक
(A) समस्या सूत्रीकरण	(I) आंकड़ों का सारणिक और ग्राफ़ीय प्रस्तुतीकरण
(B) परिकल्पना निर्माण	(II) एक वृहत्तर सेट से इकाइयों को लेना
(C) प्रतिचयन प्रक्रिया का चयन	(III) जांच के क्षेत्र में मुख्य प्रश्न उठाना
(D) आंकड़ा विश्लेषण	(IV) शोध के चरणों के बीच संबंध स्थापित करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(2) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(3) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

(4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

[Question ID = 2019][Question Description = Q13\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8073]

2. 2 [Option ID = 8074]

3. 3 [Option ID = 8075]

4. 4 [Option ID = 8076]

9) Given below are two statements

Statement (I) : There is no difference between format and styles of writing and referencing in a thesis and a research article.

Statement (II) : Research ethics and its observance is mandatory for all researches.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both Statement (I) and Statement (II) are true

(2) Both Statement (I) and Statement (II) are false

(3) Statement (I) is true but Statement (II) is false

(4) Statement (I) is false but Statement (II) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : एक शोध-प्रबंध और शोध-पत्र में लेखन और संदर्भन के स्वरूप और शैली के बीच कोई अंतर नहीं होता है।

कथन (II) : शोध संबंधी नैतिकता और इसका अनुपालन सभी शोधों के लिए अनिवार्य है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन (I) और (II) दोनों सत्य हैं।

(2) कथन (I) और (II) दोनों असत्य हैं।

(3) कथन (I) सत्य है, लेकिन कथन (II) असत्य है।

(4) कथन (I) असत्य है, लेकिन कथन (II) सत्य है।

[Question ID = 2020][Question Description = Q14\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8077]

2. 2 [Option ID = 8078]

3. 3 [Option ID = 8079]



4. 4 [Option ID = 8080]

10) Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : A research hypothesis (H<sub>1</sub>), has to be tested with the help of a Null hypothesis called (H<sub>0</sub>).

Reasons (R) : Tenability of research hypothesis (H<sub>1</sub>) cannot be directly affirmed.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below

- (1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)
- (3) (A) is correct but (R) is not correct
- (4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : किसी शोध परिकल्पना (H<sub>1</sub>) का निराकरणिय परिकल्पना (H<sub>0</sub>) की सहायता से परीक्षण किया जाना चाहिए।

कारण (R) : शोध परिकल्पना (H<sub>1</sub>) की तर्कसंगति की अभिपुष्टि सीधे रूप से नहीं की जा सकती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
- (4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 2021][Question Description = Q15\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8081]
2. 2 [Option ID = 8082]
3. 3 [Option ID = 8083]
4. 4 [Option ID = 8084]

11) Every year Press Council of India celebrates the National Press-Day on :

- (1) January 30
- (2) May 30
- (3) October 15
- (4) November 15

भारतीय प्रेस परिषद प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस निम्नलिखित में से किस तिथि को मनाता है?

- (1) 30 जनवरी
- (2) 30 मई
- (3) 15 अक्टूबर
- (4) 15 नवम्बर

[Question ID = 2022][Question Description = Q16\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8085]
2. 2 [Option ID = 8086]
3. 3 [Option ID = 8087]
4. 4 [Option ID = 8088]

12) Which Newspaper logo bears "Let Truth prevail"?

- (1) The Statesman
- (2) Times of India
- (3) The Tribune
- (4) The Hindu

किस समाचारपत्र का प्रतीक-चिन्ह (लोगो) "Let truth prevail" है?

- (1) दि स्टेट्समैन
- (2) टाइम्स ऑफ इंडिया
- (3) दि ट्रिब्यून
- (4) द हिन्दू

[Question ID = 2023][Question Description = Q17\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8089]
2. 2 [Option ID = 8090]
3. 3 [Option ID = 8091]
4. 4 [Option ID = 8092]

13) Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : The more performative broadcast is also more cohesive and popular, but owing to new media its effect is decreasing.

Reasons (R) : Internet is tending to eclipse broadcast media.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below

- (1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)



(2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is correct but (R) is not correct

(4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : अधिक प्रसारण (ब्रॉडकास्ट) अपेक्षाकृत अधिक संसक्तिशील और लोकप्रिय होता है, परन्तु नई मीडिया की वजह से इसका प्रभाव घट रहा है।

कारण (R) : इंटरनेट प्रसारण (ब्रॉडकास्ट) मीडिया पर तेजहानि होने की ओर प्रवृत्त है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
- (4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 2024][Question Description = Q18\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8093]
2. 2 [Option ID = 8094]
3. 3 [Option ID = 8095]
4. 4 [Option ID = 8096]

14) For emerging field of mass communication researcher Paul Lazarsfeld proved to be seminal thinker and researcher in what way?

- (A) For exploring the potential of Social Science methods.
- (B) For providing training with a high level of entrepreneurial skill.
- (C) For raising the standard of American Education System.
- (D) For making assumptions that media have limited direct effect.

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A) and (B) only
- (2) (B) and (C) only
- (3) (C) and (D) only
- (4) (A) and (D) only

जनसंचार के उभरते क्षेत्र हेतु शोधकर्ता पॉल लजर्सफील्ड किस प्रकार से एक प्रारंभिक चिंतक व शोधकर्ता साबित हुए?

- (A) समाज विज्ञान विधियों की क्षमता की खोज करने के लिए।
- (B) उच्च स्तरीय उद्यमिता कौशल के साथ प्रशिक्षण देने के लिए।
- (C) अमेरिका की शिक्षा प्रणाली का स्तर बढ़ाने के लिए।
- (D) यह धारणा बनाने के लिए कि मीडिया का प्रत्यक्ष प्रभाव सीमित होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A) और (B)
- (2) केवल (B) और (C)
- (3) केवल (C) और (D)
- (4) केवल (A) और (D)

[Question ID = 2025][Question Description = Q19\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8097]
2. 2 [Option ID = 8098]
3. 3 [Option ID = 8099]
4. 4 [Option ID = 8100]

15) From the list given below, identify the Psychological barriers to communication

- (A) Noise
- (B) Invisibility
- (C) Prejudice
- (D) Disinterest
- (E) Inattention

Choose the most appropriate answer from the options given below :

- (1) (A), (B) and (C) only
- (2) (B), (C) and (D) only
- (3) (C), (D) and (E) only
- (4) (A), (C) and (D) only

नीचे दी गई सूची में से सम्प्रेषण की मनोवैज्ञानिक बाधाओं को चिन्हित कीजिए।

- (A) शोरगुल
- (B) अदृश्यता
- (C) पूर्वाग्रह
- (D) अरुचि
- (E) ध्यान का न होना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B) और (C)
- (2) केवल (B), (C) और (D)
- (3) केवल (C), (D) और (E)
- (4) केवल (A), (C) और (D)

[Question ID = 2026][Question Description = Q20\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

- 1. 1 [Option ID = 8101]
- 2. 2 [Option ID = 8102]
- 3. 3 [Option ID = 8103]
- 4. 4 [Option ID = 8104]

16) The average monthly expenditure of a family was Rs. 4,000/- for the first 3 months; Rs. 4,500/- for the next 4 months and Rs. 5,000/- for the last 5 months of a year. If the total saving during the year was Rs. 5,000, find the average monthly income of the family

- (1) Rs. 3,000/- (2) Rs. 4,000/-
- (3) Rs. 5,000/- (4) Rs. 6,000/-

एक वर्ष के दौरान एक परिवार का औसत मासिक व्यय प्रथम 3 महीनों में 4000 रुपये, उसके अगले 4 महीनों में 4500 रुपये और अंतिम 5 महीनों में 5000 रुपये था। यदि उस वर्ष के दौरान कुल बचत 5000 रुपये थी तो उस परिवार की औसत मासिक आय कितनी थी?

- (1) 3000/- रुपये (2) 4000/- रुपये
- (3) 5000/- रुपये (4) 6000/- रुपये

[Question ID = 2027][Question Description = Q21\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

- 1. 1 [Option ID = 8105]
- 2. 2 [Option ID = 8106]
- 3. 3 [Option ID = 8107]
- 4. 4 [Option ID = 8108]

17) Find the average of all prime numbers between 70 to 90

- (1) 76.5 (2) 98.25
- (3) 55.75 (4) 56.75

70 से 90 के बीच की सभी अभाज्य संख्याओं का औसत बतायें -

- (1) 76.5 (2) 98.25





2. 2 [Option ID = 8126]
3. 3 [Option ID = 8127]
4. 4 [Option ID = 8128]

22) What is the correct sequence of steps in case of inference according to Indian Logic?

- (A) Statement of similarity/applicability of the example to case in consideration (upanaya)
- (B) Statement of Reason (hetu)
- (C) Affirmation of the thesis as proved (nigmana)
- (D) Statement of thesis (Pratijñā)
- (E) Giving an example of the underlying rule (udāharana)

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (D), (E), (A), (C), (B)
- (2) (D), (C), (B), (A), (E)
- (3) (D), (B), (E), (A), (C)
- (4) (D), (E), (A), (B), (C)

भारतीय तर्कशास्त्र के अनुसार अनुमान के मामले में चरणों का सही क्रम क्या है?

- (A) विचारार्थ विषय से उदाहरण की समानता/प्रयोज्यता का कथन (उपनय)
- (B) कारणों का कथन (हेतु)
- (C) अभिधारणा की सिद्धी के रूप में पुष्टि (निगमन)
- (D) अभिधारणा का कथन (प्रतिज्ञा)
- (E) निहित नियम का उदाहरण देना (उदाहरण)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (D), (E), (A), (C), (B)
- (2) (D), (C), (B), (A), (E)
- (3) (D), (B), (E), (A), (C)
- (4) (D), (E), (A), (B), (C)

[Question ID = 2033][Question Description = Q27\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8129]
2. 2 [Option ID = 8130]
3. 3 [Option ID = 8131]
4. 4 [Option ID = 8132]

23) Which of the following schools of Classical Indian Philosophy reduce Śabda pramāṇa

(verbal authority) to inference?

- (A) Nyāya
- (B) Vaiśeṣikas
- (C) Buddhists
- (D) Mīmāṃsā
- (E) Cārvāka/Lokāyata

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B) and (C) only
- (2) (B), (C) and (E) only
- (3) (B) and (E) only
- (4) (A), (D) and (E) only

मूल भारतीय दर्शनशास्त्र की कौन-सा सम्प्रदाय शब्द प्रमाण को अनुमान के अंतर्गत मानता है?



- (A) न्याय
- (B) वैशेषिक
- (C) बौद्ध
- (D) मीमांसा
- (E) चार्वाक/लोकायत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (B) और (C)
- (2) केवल (B), (C) और (E)
- (3) केवल (B) और (E)
- (4) केवल (A), (D) और (E)

[Question ID = 2034][Question Description = Q28\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

- 1. 1 [Option ID = 8133]
- 2. 2 [Option ID = 8134]
- 3. 3 [Option ID = 8135]
- 4. 4 [Option ID = 8136]

24) Given below are two statements

Statement (I) : According to classical Indian Logic the psychological sequence also corresponds to the logical sequence.

Statement (II) : The logical structure represents not how we ought to infer, but how, as a matter of fact, we do infer.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement (I) and Statement (II) are true
- (2) Both Statement (I) and Statement (II) are false
- (3) Statement (I) is true but Statement (II) is false
- (4) Statement (I) is false but Statement (II) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : मूल भारतीय तर्कशास्त्र के अनुसार मनोवैज्ञानिक क्रम तार्किक क्रम के संगत भी होता है।

कथन (II) : तार्किक संरचना यह नहीं बताती है कि हमें किस प्रकार से अनुमान लगाना चाहिए बल्कि वस्तुतः यह बताती है कि हम कैसे अनुमान लगाते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन (I) और (II) दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन (I) और (II) दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन (I) सत्य है, लेकिन कथन (II) असत्य है।
- (4) कथन (I) असत्य है, लेकिन कथन (II) सत्य है।

[Question ID = 2035][Question Description = Q29\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

- 1. 1 [Option ID = 8137]
- 2. 2 [Option ID = 8138]
- 3. 3 [Option ID = 8139]
- 4. 4 [Option ID = 8140]

25) Match List I with List II

List I List II

Steps of Argument Propositions

- (A) Affirmation of the thesis as proven (I) Wherever there is smoke, there is fire as in the kitchen  
 (B) Statement of reason (II) There is fire on the hill  
 (C) Giving an example of underlying rule (III) Therefore there is fire on the hill  
 (D) Statement of thesis to be established (IV) Because there is smoke

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I	सूची-II
तर्क के चरण	तर्कवाक्य
(A) अभिधारणा की प्रमाणित के रूप में पुष्टि	(I) जहाँ धुआँ होता है वहाँ आग होती है जैसे रसोईघर में।
(B) कारण का कथन	(II) पहाड़ी पर आग है।
(C) निहित नियम का उदाहरण देना	(III) इसलिए पहाड़ी पर आग है।
(D) स्थापित की जानेवाली अभिधारणा का कथन	(IV) क्योंकि वहाँ धुआँ है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)  
 (2) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)  
 (3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)  
 (4) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)

[Question ID = 2036][Question Description = Q30\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8141]  
 2. 2 [Option ID = 8142]  
 3. 3 [Option ID = 8143]  
 4. 4 [Option ID = 8144]

26) An IT Company has recently produced a new laptop model that uses less power, is smaller in size and weighs less than previous laptop models.

The technology that has been used to accomplish this, is :

- (1) Faster RAM (2) Blu-Ray Drive  
 (3) Solid State Hard Drive (4) LCD Technology

एक आई टी कम्पनी ने हाल ही में एक नये मॉडल के लैपटॉप का निर्माण किया है जिसमें कम विद्युत की खपत हाती है तथा जो पिछले लैपटॉप मॉडलों की अपेक्षा आकार में छोटा और वजन में कम है।

ऐसा करन के लिए किस प्रौद्योगिक का प्रयोग किया गया है ?

- (1) फास्टर (तीव्र) रैम (2) ब्लू-रे ड्राइव  
 (3) सॉलिड स्टेट हार्ड ड्राइव (4) एल सी डी टेक्नोलॉजी

[Question ID = 2037][Question Description = Q31\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8145]  
 2. 2 [Option ID = 8146]  
 3. 3 [Option ID = 8147]  
 4. 4 [Option ID = 8148]

27) Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A) : Every general-purpose computer must have an Operating System (OS) installed on it.

Reasons (R) : Man and Computer cannot communicate directly.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)  
 (2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)  
 (3) (A) is true but (R) is false  
 (4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :



आभकथन (A) : प्रत्यक सामान्य प्रयाजन कम्प्यूटर म एक आपराटग िसस्टम आवश्यक रूप स सस्थापत हाना चाहए।

कारण (R) : मनुष्य और कम्प्यूटर सीधे तौर पर आपस में संवाद नहीं कर सकते।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
- (2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।
- (4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

[Question ID = 2038][Question Description = Q32\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8149]
2. 2 [Option ID = 8150]
3. 3 [Option ID = 8151]
4. 4 [Option ID = 8152]

28) Identify the correct order of the following storage capacities ranked from largest to smallest capacity

- (A) 1500 M Bytes
- (B) 5 K Bytes
- (C) 1 G Bytes
- (D) 2 T Bytes

Choose the correct answer from the option given below :

- (1) (D), (A), (C), (B)
- (2) (A), (D), (C), (B)
- (3) (A), (B), (C), (D)
- (4) (D), (C), (A), (B)

सबसे बड़ी से सबसे छोटी क्षमता के क्रम में निम्नलिखित स्टोरेज क्षमताओं के सही क्रम की पहचान कीजिए।

- (A) 1500 M Bytes
- (B) 5 K Bytes
- (C) 1 G Bytes
- (D) T Bytes

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (D), (A), (C), (B)
- (2) (A), (D), (C), (B)
- (3) (A), (B), (C), (D)
- (4) (D), (C), (A), (B)

[Question ID = 2039][Question Description = Q33\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8153]
2. 2 [Option ID = 8154]
3. 3 [Option ID = 8155]
4. 4 [Option ID = 8156]

29) Given below are two statements regarding a smartphone that has both Bluetooth and Wi-Fi technology :

Statement (I) : Wi-Fi has a shorter range than Bluetooth.

Statement (II) : Wi-Fi can transmit data at a faster rate than Bluetooth.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

- (1) Both Statement (I) and Statement (II) are true
- (2) Both Statement (I) and Statement (II) are false
- (3) Statement (I) is true but Statement (II) is false
- (4) Statement (I) is false but Statement (II) is true

स्मार्टफोन के संबंध में जिसमें ब्लूटूथ और वाई-फाई टेक्नोलॉजी दोनों हैं, नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : वाई-फाई की रेंज ब्लूटूथ से कम होती है।

कथन (II) : वाई-फाई के माध्यम से ब्लूटूथ की अपेक्षा कहीं अधिक तीव्र दर से डेटा भेजा जा सकता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) कथन (I) और (II) दोनों सत्य हैं।
- (2) कथन (I) और (II) दोनों असत्य हैं।
- (3) कथन (I) सत्य है, लेकिन कथन (II) असत्य है।
- (4) कथन (I) असत्य है, लेकिन कथन (II) सत्य है।

[Question ID = 2040][Question Description = Q34\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8157]
2. 2 [Option ID = 8158]
3. 3 [Option ID = 8159]
4. 4 [Option ID = 8160]

30) Match List I with List II :

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I (कम्प्यूटर पारिभाषिक शब्द)	सूची-II (प्रयोजन)
(A) OCR	(I) टंकित या हस्तलिखित दस्तावेजों का स्कैन करने के लिए प्रयुक्त होता है।
(B) OMR	(II) बहु-विकल्पीय परीक्षाओं में अंक प्रदान करने के लिए प्रयुक्त होता है।
(C) Email	(III) असमकालिक कम्युनिकेशन
(D) Instant Messaging	(IV) समकालिक कम्युनिकेशन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
- (3) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
- (4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

Match List I with List II :

List I (Computer Terms)	List II (Purpose)
(A) OCR	(I) Used to scan typed or handwritten documents
(B) OMR	(II) Used to mark multiple-choice examinations
(C) Email	(III) Asynchronous Communication
(D) Instant Messaging	(IV) Synchronous Communication

Choose the correct answer from the option given below :

- (1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
- (3) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
- (4) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)

[Question ID = 2041][Question Description = Q35\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]



1. 1

[Option ID = 8161]

2. 2

[Option ID = 8162]

3. 3

[Option ID = 8163]

4. 4

[Option ID = 8164]

31) Which of the following is an ozone depleting substance?

- (1) Sulphur dioxide (2) Methyl chloride  
(3) Carbon dioxide (4) Methane

निम्नलिखित में से कौन-सा एक ओजोन का क्षरण करने वाला पदार्थ है?

- (1) सल्फर डाईआक्साइड (2) मिथाइल क्लोराइड  
(3) कार्बन डाईआक्साइड (4) मीथेन

[Question ID = 2042][Question Description = Q36\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8165]

2. 2 [Option ID = 8166]

3. 3 [Option ID = 8167]

4. 4 [Option ID = 8168]

32) Which of the following sources of energy is not a form of solar power?

- (1) Tidal Power (2) Wind Power  
(3) Coal (4) Hydro Power

निम्नलिखित में से कौन-सा ऊर्जा स्रोत सौर ऊर्जा का रूप नहीं है?

- (1) ज्वारीय ऊर्जा (2) पवन ऊर्जा  
(3) कोयला (4) जलविद्युत

[Question ID = 2043][Question Description = Q37\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8169]

2. 2 [Option ID = 8170]

3. 3 [Option ID = 8171]

4. 4 [Option ID = 8172]

33) Which of the following natural hazards is characterized by progressive occurrence and multicausality?

- (1) Earthquake (2) Volcanic eruption  
(3) Epidemic (4) Storm

निम्नलिखित में से कौन-सी प्राकृतिक आपदा उत्तरोत्तर बढ़ती है और उसमें अधिकाधिक लोग ज्ञान गवांते हैं?

- (1) भूकम्प (2) ज्वालामुखी विस्फोट  
(3) महामारी (4) तूफान

[Question ID = 2044][Question Description = Q38\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8173]

2. 2 [Option ID = 8174]

3. 3 [Option ID = 8175]

4. 4 [Option ID = 8176]

34) The abbreviation NMSHE, in the context of Climate Action Plan of Govt. of India, stands for

- (1) National Mission on Solar-Hydro Energy  
(2) National Mission on Sustaining Himalayan Ecosystem  
(3) National Mission on Sustainable Hydrogen Energy  
(4) National Mission on Survey of Himalayan Ecosystem

भारत सरकार की पर्यावरणीय कार्य योजना के संदर्भ में NMSHE निम्नलिखित में से किसका संक्षेपाक्षर है?

- (1) National Mission on Solar-Hydro Energy  
(2) National Mission on Sustaining Himalayan Ecosystem  
(3) National Mission on Sustainable Hydrogen Energy  
(4) National Mission on Survey and Himalayan Ecosystem

[Question ID = 2045][Question Description = Q39\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8177]
2. 2 [Option ID = 8178]
3. 3 [Option ID = 8179]
4. 4 [Option ID = 8180]

35) Which of the following pollutants have adverse implications for human health as well as climate change?

- (A) Nitrogen dioxide  
 (B) Particulate matter (PM<sub>2.5</sub>)  
 (C) Ozone  
 (D) Methane  
 (E) Nitrous oxide

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (B), (C) and (D) only  
 (2) (A), (B) and (C) only  
 (3) (B) and (D) only  
 (4) (B) and (C) only

निम्नलिखित में से किन प्रदूषकों का प्रतिकूल प्रभाव मनुष्य के स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है ?

- (A) नाइट्रोजन डाईऑक्साइड  
 (B) कणाकार पदार्थ (PM<sub>2.5</sub>)  
 (C) ओजोन  
 (D) मीथेन  
 (E) नाइट्रस ऑक्साइड

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (B), (C) और (D)  
 (2) केवल (A), (B) और (C)  
 (3) केवल (B) और (D)  
 (4) केवल (B) और (C)

[Question ID = 2046][Question Description = Q40\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8181]
2. 2 [Option ID = 8182]
3. 3 [Option ID = 8183]
4. 4 [Option ID = 8184]

36) In context of Higher Education, Hon'ble Supreme Court directed which of the following national body/organisation to frame and prescribe a course in Environment Education?

- (1) UGC ; ; (2) NCTE  
 (3) NCERT ; ; (4) AICTE

उच्च शिक्षा के संदर्भ में, मानवीय उच्चतम न्यायालय ने पर्यावरण शिक्षा में एक पाठ्यक्रम तैयार व निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित में से किस राष्ट्रीय निकाय/संगठन को निर्देश दिया था ?

- (1) यू जी सी (2) एन सी टी ई  
 (3) एन सी ई आर टी (4) ए आई सी टी ई

[Question ID = 2047][Question Description = Q41\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8185]
2. 2 [Option ID = 8186]
3. 3 [Option ID = 8187]
4. 4 [Option ID = 8188]

37) Match List I with List II. List I names various organizations while List II gives their location :

- List I ; ; ; List II  
 (A) NAAC ; ; (I) Delhi  
 (B) NIEDA ; ; (II) Bengaluru  
 (C) NDRI ; ; (III) Lucknow  
 (D) CDRI ; ; (IV) Karnal

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए।

सूची-I

सूची-II



- |                  |               |
|------------------|---------------|
| (A) एन आई ई डी ए | (II) बेंगलुरु |
| (B) एन आई डी ए   | (III) लखनऊ    |
| (C) एन डी आर आई  | (IV) करनाल    |
| (D) सी डी आर आई  |               |

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)
- (2) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)
- (3) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)
- (4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

[Question ID = 2048][Question Description = Q42\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8189]
2. 2 [Option ID = 8190]
3. 3 [Option ID = 8191]
4. 4 [Option ID = 8192]

38) NEP-2020 proposes to establish NETF. What are the stipulated functions of this body?

- (A) Articulate new directions for research and innovation in technology.
- (B) Provide a platform for free exchange of ideas on use of technology to understand learning.
- (C) Engage multilingual experts to help promotion of all Indian Languages.
- (D) Advancing international research efforts to address global challenges in healthcare agriculture and climate change using AI (Artificial Intelligence).
- (E) Build intellectual and institutional capacities in Educational technology.

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (D), (E) only
- (2) (A), (B), (E) only
- (3) (B), (D), (E) only
- (4) (A), (C), (D) only

नई शिक्षा नीति (एन ई पी)-2020 में एन ई टी एफ की स्थापना करने का प्रस्ताव है। इस निकाय के विहित प्रकार्य क्या हैं?

- (A) प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवाचार हेतु नए निर्देश तैयार करना।
- (B) अधिगम को समझने हेतु प्रौद्योगिकी के प्रयोग के संबंध में विचारों के मुक्त आदान-प्रदान हेतु एक मंच मुहैया कराना।
- (C) सभी भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने में सहायता हेतु बहुभाषी विशेषज्ञों को शामिल करना।
- (D) स्वास्थ्य परिचर्या, कृषि और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयास करना
- (E) शिक्षा प्रौद्योगिकी में बौद्धिक और संस्थागत क्षमताओं का निर्माण करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (D), (E)
- (2) केवल (A), (B), (E)
- (3) केवल (B), (D), (E)
- (4) केवल (A), (C), (D)

[Question ID = 2049][Question Description = Q43\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8193]
2. 2 [Option ID = 8194]
3. 3 [Option ID = 8195]
4. 4 [Option ID = 8196]

39) Which of the following are e-learning platforms?

- (A) SWAYAM

- (B) PARAKH  
(C) SWAYAMPRAKHA  
(D) DIKSHA  
(E) MOOC

Choose the correct answer from the options given below :

- (1) (A), (B), (E) only  
(2) (A), (C), (D) only  
(3) (B), (C), (D) only  
(4) (C), (D), (E) only

निम्नलिखित में से कौन-से ई-अधिगम मंच हैं?

- (A) स्वयम्  
(B) परख  
(C) स्वयंप्रभा  
(D) दीक्षा  
(E) मूक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

- (1) केवल (A), (B), (E)  
(2) केवल (A), (C), (D)  
(3) केवल (B), (C), (D)  
(4) केवल (C), (D), (E)

[Question ID = 2050][Question Description = Q44\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8197]  
2. 2 [Option ID = 8198]  
3. 3 [Option ID = 8199]  
4. 4 [Option ID = 8200]

40) Which among the following goals adopted by the UN member States in 2015 is related to SDG-4?

- (1) Good health and well being (2) Quality education  
(3) Poverty alleviation (4) Industry innovation and infrastructure

संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा वर्ष 2015 में सतत विकास लक्ष्य-4 से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-सा लक्ष्य अपनाया गया था?

- (1) उत्तम स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती (2) गुणवत्तापरक शिक्षा  
(3) गरीबी उन्मूलन (4) उद्योग नवाचार एवं अवसंरचना

[Question ID = 2051][Question Description = Q45\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8201]  
2. 2 [Option ID = 8202]  
3. 3 [Option ID = 8203]  
4. 4 [Option ID = 8204]

Topic:- General Paper\_Set1\_C

- 1) Read the passage carefully and answer the questions that follow :

The Corona Virus COVID-19 pandemic is the defining global health crisis of our time and the greatest challenge we have faced since World War Two. Since its emergence in Asia late last year, the virus has spread to every continent except Antarctica. We have now reached the tragic milestone of one million deaths, and the human family is suffering under an almost intolerable burden of loss. But the pandemic is much more than a health crisis; it also an



unprecedented socio economic crisis. Stressing every one of the country it touches, it has the potential to create devastating social, economic and political effects that will leave deep and longstanding scars. UNDP is the technical lead in the UN's socio economic recovery, alongside the health response lead by WHO, and the Global Humanitarian Response Plan, and working under the leadership of the UN Resident Coordinators. Every day, people are losing jobs and income, with no way of knowing when normality will return. Small island nations, heavily dependent on tourism, have empty hotels and deserted beaches. The International Labour Organisation estimates that 400 million jobs would be lost. The World Bank projects a US \$110 billion decline in remittances this year, which could mean 800 million people will not be able to meet their basic needs.

गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें तथा इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दें।

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी हमारे समय का अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य संकट और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष के अंतिम दिनों में एशिया में इसके उद्भव के साथ यह वायरस अंटार्कटिका को छोड़कर प्रत्येक महाद्वीप में फैल चुका है। अब तक दुःखद रूप से 10 लाख लोग अपनी जान गवां चुके हैं और पूरी मानवता को हानि का लगभग असहनीय बोझ उठाना पड़ रहा है। परन्तु यह महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं अधिक है, यह एक अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इसके विनाशकारी सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पड़ने वाले हैं जिनके लम्बे समय तक गहरे निशान रहने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र को सामाजिक आर्थिक प्रतिपत्ति (रिकवरी) में यू एन डी पी एक तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर रहा है, साथ ही यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी देख रहा है तथा यह वैश्विक मानवीय अनुक्रिया नियोजन के कार्य को भी यू एन रेजिडेंट समन्वयक के नेतृत्व में निष्पन्न कर रहा है। हर दिन लोग अपनी नौकरियां और आय गवां रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि परिस्थितियां कब सामान्य होंगी। पर्यटन पर निर्भर होते द्वीपीय राष्ट्रों के होटल और समुद्र-तट खाली पड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष धन-प्रेषण (रेमिटेंस) में 110 बिलियन अमेरिकी डालर की कमी आएगी। इसका अभिप्राय है कि 800 मिलियन (80 करोड़) लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

The major crisis faced by the world since World War II is in which area?

- (1) Industrial (2) Technological  
(3) Communication (4) Health

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व का सबसे बड़ा संकट किस क्षेत्र में आया है?

- (1) औद्योगिक (2) प्रौद्योगिकीय  
(3) संचार (4) स्वास्थ्य

[Question ID = 2052][Question Description = Q46\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8205]
2. 2 [Option ID = 8206]
3. 3 [Option ID = 8207]
4. 4 [Option ID = 8208]

- 2) Read the passage carefully and answer the questions that follow :

The Corona Virus COVID-19 pandemic is the defining global health crisis of our time and the greatest challenge we have faced since World War Two. Since its emergence in Asia late last year, the virus has spread to every continent except Antarctica. We have now reached the tragic milestone of one million deaths, and the human family is suffering under an almost intolerable burden of loss. But the pandemic is much more than a health crisis, its also an unprecedented socio economic crisis. Stressing every one of the country it touches, it has the potential to create devastating social, economic and political effects that will leave deep and longstanding scars. UNDP is the technical lead in the UN's socio economic recovery, alongside the health response lead by WHO, and the Global Humanitarian Response Plan,



and working under the leadership of the UN Resident Coordinators. Every day, people are losing jobs and income, with no way of knowing when normality will return. Small island nations, heavily dependent on tourism, have empty hotels and deserted beaches. The International Labour Organisation estimates that 400 million jobs would be lost. The World Bank projects a US \$110 billion decline in remittances this year, which could mean 800 million people will not be able to meet their basic needs.

गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें तथा इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दें।

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी हमारे समय का अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य संकट और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष के अंतिम दिनों में एशिया में इसके उद्भव के साथ यह वायरस अंटार्कटिका को छोड़कर प्रत्येक महाद्वीप में फैल चुका है। अब तक दुःखद रूप से 10 लाख लोग अपनी जान गवां चुके हैं और पूरी मानवता को हानि का लगभग असहनीय बोझ उठाना पड़ रहा है। परन्तु यह महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं अधिक है, यह एक अभूतपूर्व सामाजिक-अर्थिक संकट भी है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इसके विनाशकारी सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पड़ने वाले हैं जिनके लम्बे समय तक गहरे निशान रहने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र को सामाजिक आर्थिक प्रतिपत्ति (रिकवरी) में यू एन डी पी एक तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर रहा है, साथ ही यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी देख रहा है तथा यह वैश्विक मानवीय अनुक्रिया नियोजन के कार्य को भी यू एन रेजिडेंट समन्वयक के नेतृत्व में निष्पन्न कर रहा है। हर दिन लोग अपनी नौकरियां और आय गवां रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि परिस्थितियां कब सामान्य होंगी। पर्यटन पर निर्भर होते द्वीपीय राष्ट्रों के होटल और समुद्र-तट खाली पड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष धन-प्रेषण (रेमिटेंस) में 110 बिलियन अमेरिकी डालर की कमी आएगी। इसका अभिप्राय है कि 800 मिलियन (80 करोड़) लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

The pandemic has left which of the following area unaffected?

- (1) Social (2) Economic  
(3) Travel and tourism (4) Telecommunication

महामारी का निम्नलिखित में से किस क्षेत्र पर प्रभाव नहीं पड़ा है?

- (1) सामाजिक (2) आर्थिक  
(3) यात्रा और पर्यटन (4) दूरसंचार

[Question ID = 2053][Question Description = Q47\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8209]  
2. 2 [Option ID = 8210]  
3. 3 [Option ID = 8211]  
4. 4 [Option ID = 8212]

- 3) Read the passage carefully and answer the questions that follow :

The Corona Virus COVID-19 pandemic is the defining global health crisis of our time and the greatest challenge we have faced since World War Two. Since its emergence in Asia late last year, the virus has spread to every continent except Antarctica. We have now reached the tragic milestone of one million deaths, and the human family is suffering under an almost intolerable burden of loss. But the pandemic is much more than a health crisis, its also an unprecedented socio economic crisis. Stressing every one of the country it touches, it has the potential to create devastating social, economic and political effects that will leave deep and longstanding scars. UNDP is the technical lead in the UN's socio economic recovery, alongside the health response lead by WHO, and the Global Humanitarian Response Plan, and working under the leadership of the UN Resident Coordinators. Every day, people are losing jobs and income, with no way of knowing when normality will return. Small island nations, heavily dependent on tourism, have empty hotels and deserted beaches. The International Labour Organisation estimates that 400 million jobs would be lost. The World



Bank projects a US \$110 billion decline in remittances this year, which could mean 800 million people will not be able to meet their basic needs.

गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें तथा इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दें।

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी हमारे समय का अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य संकट और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष के अंतिम दिनों में एशिया में इसके उद्भव के साथ यह वायरस अंटार्कटिका को छोड़कर प्रत्येक महाद्वीप में फैल चुका है। अब तक दुःखद रूप से 10 लाख लोग अपनी जान गवां चुके हैं और पूरी मानवता को हानि का लगभग असहनीय बोझ उठाना पड़ रहा है। परन्तु यह महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं अधिक है, यह एक अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इसके विनाशकारी सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पड़ने वाले हैं जिनके लम्बे समय तक गहरे निशान रहने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र को सामाजिक आर्थिक प्रतिपत्ति (रिकवरी) में यू एन डी पी एक तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर रहा है, साथ ही यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी देख रहा है तथा यह वैश्विक मानवीय अनुक्रिया नियोजन के कार्य को भी यू एन रेजिडेंट समन्वयक के नेतृत्व में निष्पन्न कर रहा है। हर दिन लोग अपनी नौकरियां और आय गवां रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि परिस्थितियां कब सामान्य होंगी। पर्यटन पर निर्भर होते द्वीपीय राष्ट्रों के होटल और समुद्र-तट खाली पड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष धन-प्रेषण (रेमिटेंस) में 110 बिलियन अमेरिकी डालर की कमी आएगी। इसका अभिप्राय है कि 800 मिलियन (80 करोड़) लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

Which continent is least affected by COVID-19?

- (1) Asia (2) North America  
(3) Australia (4) Antarctica

कौन-सा महाद्वीप कोविड-19 से सबसे कम प्रभावित हुआ है?

- (1) एशिया (2) उत्तरी अमेरिका  
(3) आस्ट्रेलिया (4) अंटार्कटिका

[Question ID = 2054][Question Description = Q48\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8213]  
2. 2 [Option ID = 8214]  
3. 3 [Option ID = 8215]  
4. 4 [Option ID = 8216]

- 4) Read the passage carefully and answer the questions that follow :

The Corona Virus COVID-19 pandemic is the defining global health crisis of our time and the greatest challenge we have faced since World War Two. Since its emergence in Asia late last year, the virus has spread to every continent except Antarctica. We have now reached the tragic milestone of one million deaths, and the human family is suffering under an almost intolerable burden of loss. But the pandemic is much more than a health crisis, its also an unprecedented socio economic crisis. Stressing every one of the country it touches, it has the potential to create devastating social, economic and political effects that will leave deep and longstanding scars. UNDP is the technical lead in the UN's socio economic recovery, alongside the health response lead by WHO, and the Global Humanitarian Response Plan, and working under the leadership of the UN Resident Coordinators. Every day, people are losing jobs and income, with no way of knowing when normality will return. Small islandnations, heavily dependent on tourism, have empty hotels and deserted beaches. The International Labour Organisation estimates that 400 million jobs would be lost. The World Bank projects a US \$110 billion decline in remittances this year, which could mean 800 million people will not be able to meet their basic needs.

गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़ें तथा इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दें।



कारणा वायरस कावड-19 महामारा हमार समय का अभूतपूर्व वाशक स्वास्थ्य संकट आर दुताय विश्वयुद्ध क बाद का सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष के अंतिम दिनों में एशिया में इसके उद्भव के साथ यह वायरस अंटार्कटिका को छोड़कर प्रत्येक महाद्वीप में फैल चुका है। अब तक दुखःद रूप से 10 लाख लोग अपनी जान गवां चुके हैं और पूरी मानवता को हानि का लगभग असहनीय बोझ उठाना पड़ रहा है। परन्तु यह महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं अधिक है, यह एक अभूतपूर्व सामाजिक-अर्थिक संकट भी है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इसके विनाशकारी सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पड़ने वाले हैं जिनके लम्बे समय तक गहरे निशान रहने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र को सामाजिक आर्थिक प्रतिप्राप्ति (रिकवरी) में यू एन डी पी एक तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर रहा है, साथ ही यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी देख रहा है तथा यह वैश्विक मानवीय अनुक्रिया नियोजन के कार्य को भी यू एन रेजिडेंट समन्वयक के नेतृत्व में निष्पन्न कर रहा है। हर दिन लोग अपनी नौकरियां और आय गवां रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि परिस्थितियां कब सामान्य होंगी। पर्यटन पर निर्भर होते द्वीपीय राष्ट्रों के होटल और समुद्र-तट खाली पड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष धन-प्रेषण (रेमिटेंस) में 110 बिलियन अमेरिकी डालर की कमी आएगी। इसका अभिप्राय है कि 800 मिलियन (80 करोड़) लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

Which of the following organization has given technical lead in the UN's socio-economic recovery plan?

- (1) UNDP (2) UNICEF  
(3) UN-GHRP (4) UNSC

निम्न में से किस संस्था ने UN की सामाजिक आर्थिक प्रतिप्राप्ति (रिकवरी) योजना को नेतृत्व प्रदान किया है?

- (1) UNDP (2) UNICEF  
(3) UN-GHRP (4) UNSC

[Question ID = 2055][Question Description = Q49\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8217]  
2. 2 [Option ID = 8218]  
3. 3 [Option ID = 8219]  
4. 4 [Option ID = 8220]

- 5) Read the passage carefully and answer the questions that follow :

The Corona Virus COVID-19 pandemic is the defining global health crisis of our time and the greatest challenge we have faced since World War Two. Since its emergence in Asia late last year, the virus has spread to every continent except Antarctica. We have now reached the tragic milestone of one million deaths, and the human family is suffering under an almost intolerable burden of loss. But the pandemic is much more than a health crisis, its also an unprecedented socio economic crisis. Stressing every one of the country it touches, it has the potential to create devastating social, economic and political effects that will leave deep and longstanding scars. UNDP is the technical lead in the UN's socio economic recovery, alongside the health response lead by WHO, and the Global Humanitarian Response Plan, and working under the leadership of the UN Resident Coordinators. Every day, people are losing jobs and income, with no way of knowing when normality will return. Small islandnations, heavily dependent on tourism, have empty hotels and deserted beaches. The International Labour Organisation estimates that 400 million jobs would be lost. The World Bank projects a US \$110 billion decline in remittances this year, which could mean 800 million people will not be able to meet their basic needs.

गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़े तथा इसके बाद दिए गए प्रश्न का उत्तर दें।

कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी हमारे समय का अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य संकट और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की सबसे बड़ी चुनौती है। पिछले वर्ष के अंतिम दिनों में एशिया में इसके उद्भव के साथ यह वायरस अंटार्कटिका को छोड़कर प्रत्येक महाद्वीप में फैल चुका है। अब तक दुखःद रूप से 10 लाख लोग अपनी जान गवां चुके हैं और पूरी मानवता को हानि का लगभग असहनीय बोझ उठाना पड़ रहा है। परन्तु यह महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं अधिक है, यह एक अभूतपूर्व सामाजिक-अर्थिक संकट भी है। देश का प्रत्येक व्यक्ति इससे प्रभावित है। इसके विनाशकारी सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव पड़ने वाले हैं जिनके लम्बे समय तक गहरे निशान रहने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र को सामाजिक आर्थिक प्रतिप्राप्ति



(रिकवरी) में यू एन डी पी एक तकनीकी नेतृत्व प्रदान कर रहा है, साथ ही यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से चल रहे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को भी देख रहा है तथा यह वैश्विक मानवीय अनुक्रिया नियोजन के कार्य को भी यू एन रेजिडेंट समन्वयक के नेतृत्व में निष्पन्न कर रहा है। हर दिन लोग अपनी नौकरियां और आय गवां रहे हैं। उन्हें नहीं पता कि परिस्थितियां कब सामान्य होंगी। पर्यटन पर निर्भर होते द्वीपीय राष्ट्रों के होटल और समुद्र-तट खाली पड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का अनुमान है कि 400 मिलियन (40 करोड़) लोगों की नौकरियां जा सकती हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष धन-प्रेषण (रेमिटेंस) में 110 बिलियन अमेरिकी डालर की कमी आएगी। इसका अभिप्राय है कि 800 मिलियन (80 करोड़) लोग अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में समर्थ नहीं हो पाएंगे।

In the wake of COVID-19 which of the following organisations/establishments will have least chances of closure?

- (1) Tourism industry (2) Health care centres  
(3) Industrial establishments (4) Educational institutions

कोविड-19 के आलोक में निम्नलिखित में से किन संगठनों/ प्रतिष्ठानों के बंद होने की सबसे कम संभावना होगी?

- (1) पर्यटन उद्योग (2) स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र  
(3) औद्योगिक प्रतिष्ठान (4) शैक्षणिक प्रतिष्ठान

[Question ID = 2056][Question Description = Q50\_GP\_20NOV\_S1\_SHAAN]

1. 1 [Option ID = 8221]
2. 2 [Option ID = 8222]
3. 3 [Option ID = 8223]
4. 4 [Option ID = 8224]

